आषाढ़ शुक्ल - 3 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 339 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 08-07-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाना सभी की जिम्मेदारी : देवनानी

6 मध्यम वर्ग को बजट से ढेर सारी उम्मीदें

7 ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक का आकलन इतिहास उदारता से करेगा

फर्स्ट टेक

जम्मू में की गई मंदिर में तोड़फोड़, आरोपी गिरफ्तार

जम्मू/भाषा। जम्मू के बाहरी इलाके में एक गांव में कथित तौर पर एक मंदिर में तोड़फोड़ की गई, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना होने के कुछ घंटों के भीतर आरोपी को पकड़ लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि कुछ अज्ञात लोगों ने शनिवार देर रात जम्मू के पास नगरोटा के नारायण खू इलाके में पूजा स्थल में तोड़फोड़ की। स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, जम्मू और कश्मीर पुलिस ने जम्मू जिले में कल शाम नगरोटा में हुई धार्मिक स्थल की तोड़फोड़ और आगजनी के मामले को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। जांच के बाद इस कृत्य के लिए आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है।

इजराइल में प्रदर्शनकारियों ने नेतन्याहू के इस्तीफे की मांग की

तेल अवीव/एपी। गाजा में युद्ध शुरू होने के नौ महीने पूरे होने पर इजराइल के प्रदर्शनकारियों ने रविवार को देशभर में राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से पद छोड़ने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने संघर्ष विराम का आह्वान किया, ताकि हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को वापस लाया जा सके। ये प्रदर्शन ऐसे समय हुए, जब अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों ने समझौते के लिए नए सिरे से प्रयास शुरू कर दिए हैं। मिस्र और हमास के अधिकारियों ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा कि हमास ने युद्ध समाप्त करने के लिए इजराइल की प्रतिबद्धता की प्रमुख मांग छोड़ दी है। इससे नवम्बर के बाद पहली बार लड़ाई रुक सकती है तथा आगे की वार्ता के लिए मंच तैयार हो सकता है।

ईरानी नौसेना का विध्वंसक पोत डूबा

तेहरान/एपी। ईरानी नौसेना का एक विध्वंसक पोत उस समय डूब गया जब उसकी होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट एक बंदरगाह पर मरम्मत की जा रही थी। ईरान के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी (आईआरएनए) की खबर में कहा गया है कि मरम्मत के दौरान सहंद' विध्वंसक पोत का संतुलन इसके कई टैंक में पानी घुसने के कारण बिगड़ गया। एजेंसी ने कहा कि पानी की गहराई कम होने के कारण विध्वंसक को दोबारा संतुलित स्थिति में लाना संभव है। एजेंसी ने बताया कि घायल लोगों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इससे अधिक जानकारी नहीं दी गई। सहंद पोत का नाम उत्तरी ईरान के एक पहाड़ के नाम पर रखा गया है।

08-07-2024 सूर्यास्त 6:39 बजे | 09-07-2024 सूर्योदय 5:48 बजे

BSE	NSE
79,996.60	24,323.85
(-53.07)	(+21.70)

सोना	चांदी
7,606 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	99,300 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चुनावी मूड

जब चुनाव का मौसम आता,
नेता सारे टर्राते।
कमजोरी सुन कर चुप रहते,
प्रतिपक्षी पर गुर्राते।
भड़क न जाए वोटर अपना,
बस इससे ही थर्राते।
बाद जीतने के गाफिल हो,
पांच बरस तक ठर्राते।।

पुरी में शुरू हुई रथ यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तीनों रथों की परिक्रमा की और देवताओं के सामने माथा टेका।

पुरी (ओडिशा)/भाषा। पुरी स्थित 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर से रविवार दोपहर हजारों लोगों ने विशाल रथों को खींचकर लगभग 2.5 किलोमीटर दूर गुंडिचा मंदिर की ओर प्रस्थान किया। पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने अपने शिष्यों के साथ भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों के दर्शन किए तथा पुरी के राजा ने 'छेरा पहनारा' (रथ सफाई) अनुष्ठान पूरा किया, जिसके बाद शाम करीब 5.20 बजे रथ खींचने का कार्य शुरू हुआ। रथों में लकड़ी के घोड़े लगाए गए थे और सेवक पायलट श्रद्धालुओं को रथों को सही दिशा में खींचने के लिए मार्गदर्शन कर रहे थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तीनों रथों की परिक्रमा की और देवताओं के सामने माथा टेका। राष्ट्रपति, ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मुख्य जगन्नाथ रथ को जोड़ने वाली रस्सियों को खींचकर प्रतीकात्मक रूप से इस कवायद की शुरुआत की। विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने भी तीनों देवताओं के दर्शन किए।

भगवान बलभद्र के लगभग 45 फुट ऊंचे लकड़ी के रथ को हजारों लोगों ने खींचा। इसके बाद देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के रथ खींचे जाएंगे।

देश के लिए मरने की नहीं, जीने की जरूरत है : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ बच्चों को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना बहुत जरूरी है। शिक्षा ही विकास की नींव है। सरकार देश के भविष्य को संवारने के लिए शिक्षा को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि देश के लिए मरने की नहीं बल्कि जीने की जरूरत है। उन्होंने गुजरात के विकास में भूमिका के लिए कड़वा पाटीदार समुदाय की सराहना की। वह मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की मौजूदगी में यहां छात्रों के लिए एक छात्रावास परिसर का उद्घाटन करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शाह ने शहर में एक अस्पताल का भी उद्घाटन किया। छात्रावास के अधिकारियों ने बताया कि अमीन पीजेकेपी विद्यार्थी भवन का निर्माण कड़वा पाटीदार समुदाय द्वारा किया गया है और इसमें सभी सामाजिक समूहों के छात्रों के लिए आवास की व्यवस्था होगी।

शाह ने कहा कि आज देश के लिए मरने की नहीं, बल्कि देश के लिए जीने की जरूरत है। उन्होंने कहा, आप एक अच्छे आईएएस, आईपीएस, सीए, चिकित्सक, अच्छे नागरिक या गृहिणी हो सकते हैं, लेकिन आपको देश के लिए काम करने की जरूरत है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि कड़वा पाटीदार समुदाय ने गुजरात के विकास में बहुत योगदान दिया है। उन्होंने कहा, गुजरात और पाटीदार समाज का विकास समानांतर है। अपनी मेहनत से कड़वा पाटीदार समाज ने अपने विकास के साथ-साथ राज्य और देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

शाह ने कहा, उत्तर गुजरात के कड़वा पाटीदार समाज के कई संस्थानों से शिक्षा ग्रहण कर आज लोग देश की सेवा कर रहे हैं। पटेल ने इस मौके पर कहा कि दो दशक पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'शाला प्रवेशोत्सव' (स्कूल नामांकन) और कन्या केलवणी महोत्सव' के कारण राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में काफी विकास हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा, बच्चों को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना बहुत जरूरी है। शिक्षा ही विकास की नींव है। सरकार देश के भविष्य को संवारने के लिए शिक्षा को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। शाह ने अहमदाबाद में नवनिर्मित 'एसएलआईएमएस' अस्पताल का भी उद्घाटन किया।

गोवा के पाली जलप्रपात में फंसे सभी 80 लोगों को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के सत्तारी तालुका में पाली जलप्रपात में रविवार को भारी बारिश के कारण अचानक जलस्तर बढ़ जाने के बाद फंसे सभी 80 लोगों को बचा लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अग्निशमन और आपातकालीन सेवाकर्मियों की मदद से फंसे हुए लोगों को बचाया गया। अधिकारी ने बताया कि जलप्रपात तक पहुंचने के लिए एक नदी पार करनी पड़ती है। रविवार होने के कारण सुबह जलप्रपात पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए। भारी बारिश के बीच दोपहर जलप्रपात में पानी का बहाव अचानक बढ़ने से वहां मौजूद लोग फंस गए।

पुलिस अधीक्षक (उत्तर) अक्षत कौशल ने शाम में 'पीटीआई-भाषा' को बताया, पाली जलप्रपात से सभी 80 लोगों को बचा लिया गया है। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बचाव अभियान गोवा अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं के साथ मिलकर चलाया गया। अधिकारियों के अनुसार, फंसे लोगों द्वारा वालपोई थाने को सूचित करने और मदद मांगने के बाद बचाव अभियान शुरू हुआ। एक अन्य घटनाक्रम में, राज्य शिक्षा विभाग ने लगातार बारिश के मद्देनजर सोमवार को स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार तक राज्य के लिए 'रेड अलर्ट' घोषित किया है।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में लोगों का उत्साह, उत्कृष्ट कार्य हमारी सबसे बड़ी ताकत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि विभिन्न क्षेत्रों में भारतीयों का उत्कृष्ट कार्य तथा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का उत्साह देश की सबसे बड़ी ताकत है। जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन (जेआईटीओ) के 'इनक्यूबेशन इनोवेशन फंड' के सातवें स्थापना दिवस पर लिखित संदेश में मोदी ने कहा कि भारत के प्रति दुनियाभर में जिस तरह का आशावाद और भरोसा देखा जा रहा है, वह देश की ताकत को दिखाता है। मोदी ने कहा, भारत अपार संभावनाओं वाला देश है। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले हमारे देशवासियों की भागीदारी और देश के विकास के लिए उनका उत्साह हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

प्रधानमंत्री ने प्रौद्योगिकी के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि विदेशी उत्पादों पर निर्भरता कम करना और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। मोदी ने कहा, आज का आशावाद और हमारी क्षमताओं में अटूट विश्वास अंतरिक्ष विज्ञान, रक्षा और व्यापार सहित सभी क्षेत्रों तक फैला हुआ है। जेआईटीओ जैसे संगठनों ने पिछले दशक में इन उपलब्धियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण में योगदान दिया है।

राहुल के हमले के बाद सिंधिया ने कांग्रेस पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ उन्हें अपने भीतर झांकना चाहिए। वास्तविकता को पहचानना चाहिए। महसूस करना चाहिए कि जमीन कहां खिसक गई है और फिर बयान देना चाहिए।

भोपाल/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि बयान देने से पहले उन्हें वास्तविकता को जानना'' चाहिए। सिंधिया की इस टिप्पणी के एक दिन पहले राहुल गांधी ने कहा था कि 'इंडि' गठबंधन ने फैजाबाद लोकसभा सीट जीतकर भाजपा के राम मंदिर आंदोलन को समाप्त कर दिया है। अयोध्या फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र में स्थित है। अहमदाबाद के दौरे के दौरान शनिवार को गांधी ने यह भी विश्वास व्यक्त किया था कि कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उसके सबसे मजबूत गढ़ गुजरात में 2027 के विधानसभा चुनावों में हराएगी।

सिंधिया ने यहां कहा, ''बहुत से लोग हैं जो सपने देखते रहते हैं। कांग्रेस (हाल के लोकसभा चुनावों में) 13 राज्यों में अपना खाता भी नहीं खोल सकी। जिन राज्यों में उनका भाजपा से सीधा मुकाबला था, वहां उनका स्ट्राइक रेट सिर्फ 26 प्रतिशत है।'' उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, वे जनादेश को स्वीकार नहीं कर रहे, सनातन धर्म का अनादर कर रहे हैं। जनता ने उन्हें लगातार तीन बार विपक्ष में बैठाया है, लेकिन उनका अहंकार देखिए। सिंधिया भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में भाग लेने भोपाल आए हैं। सिंधिया ने कहा कि 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को जितनी सीटें मिलीं, उससे कहीं ज्यादा सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की। वर्ष 2024 के आम चुनाव में भाजपा ने 240 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस ने पहले के चुनावों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 99 सीटों पर जीत दर्ज की। सिंधिया ने गांधी का नाम लिए बिना कहा, उन्हें अपने भीतर झांकना चाहिए। वास्तविकता को पहचानना चाहिए। महसूस करना चाहिए कि जमीन कहां खिसक गई है और फिर बयान देना चाहिए।

मोदी की मॉस्को यात्रा को ईर्ष्या से देख रहा है पश्चिम : क्रेमलिन

मॉस्को/भाषा। रूस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मॉस्को की ''बेहद अहम यात्रा'' को लेकर उत्सुक है और वह इस यात्रा को रूस तथा भारत के संबंधों के लिए अति महत्वपूर्ण मानता है। रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने शनिवार को यह बात कही। पेस्कोव ने यह भी दावा किया कि पश्चिमी देश इस यात्रा को ''ईर्ष्या'' से देख रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और वह आठ एवं नौ जुलाई को मॉस्को में रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में इस उच्च स्तरीय यात्रा के बारे में जानकारी दी थी और कहा था कि दोनों नेता दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों की संपूर्ण समीक्षा करेंगे।

लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव 'जीवंत और फलते-फूलते' लोकतंत्र का उदाहरण : ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ संसद में तथा सड़कों पर होने वाली बहसों में अंतर होना चाहिए।

कोटा/बूंदी/भाषा। ओम बिरला ने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए हुए दुर्लभ चुनाव को 'एक जीवंत और फलते-फूलते लोकतंत्र' का उदाहरण बताते हुए कहा है कि सहमति और असहमति इसका हिस्सा हैं। बिरला ने अध्यक्ष पद के लिए विपक्षी उम्मीदवार के. सुरेश के खिलाफ ध्वनिमत से जीत हासिल की थी। विपक्ष ने भाजपा के बिरला के खिलाफ कांग्रेस के सुरेश को नामित करके चुनाव कराने पर जोर दिया था, हालांकि उसने मत विभाजन के लिए दबाव नहीं डाला था। बिरला ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में नई सरकार के गठन के बाद इसके पहले सत्र के दौरान लोकसभा में हुए व्यवधान को अनुचित बताया और कहा कि संसद में तथा सड़कों पर होने वाली बहसों में अंतर होना चाहिए।

कट्टरपंथी सिख उपदेशक अमृतपाल सिंह और आतंकी वित्तपोषण मामले में आरोपी इंजीनियर रशीद के जेल में रहते हुए क्रमश: पंजाब के खडूर साहिब और जम्मू-कश्मीर के बारामूला से निर्दलीय के रूप में सदन के लिए चुने जाने पर लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि दोनों सदस्यों को जनता ने चुना है। बिरला ने राजस्थान में अपने संसदीय क्षेत्र कोटा के दौरे के दौरान 'पीटीआई-भाषा' से कहा, उन्हें (सिंह और रशीद) जनता द्वारा चुना गया है और (लोकसभा के) प्रक्रिया नियमों तथा न्यायालयों के आदेश के अनुसार शपथ दिलाई गई है। लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए हुए दुर्लभ चुनाव के बारे में पूछे जाने पर बिरला ने कहा कि यह 'जीवंत और फलते-फूलते लोकतंत्र' का उदाहरण है। इस पद के लिए पिछला चुनाव 1976 में हुआ था। अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से तीन जुलाई तक चला था।

'भारत-चीन सीमा पर हालात को लेकर देश को विश्वास में लिया जाए'

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को अपनी पार्टी की मांग को दोहराते हुए कहा कि केंद्र सरकार को चीन से सटी सीमा पर हालात को लेकर देश को विश्वास में लेना चाहिए।

खरगे ने 'एक्स' पर एक खबर साझा की, जिसमें उपग्रह चित्रों का हवाला देते हुए दावा किया गया कि चीन की सेना पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के आसपास के क्षेत्र में लंबे समय से खुदाई कर रही है तथा इस क्षेत्र में एक अहम अड्डे पर हथियारों और ईंधन के भंडारण के लिए भूमिगत बंकरों और बख्तरबंद वाहनों के लिए आश्रय का निर्माण किया है

खरगे ने कहा, ''चीन पैंगोंग सो के पास उस जमीन पर सैन्य अड्डा कैसे बना सकता है, जो मई 2020 तक भारत के कब्जे में थी।''

खरगे की पोस्ट पर भाजपा या केंद्र सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सत्तारूढ़ दल और सरकार ने अतीत में इस मुद्दे पर कांग्रेस के सभी आरोपों को खारिज किया है।

भारत ने चीन के साथ शांति और सौहार्द बहाल करने के लिए पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शेष क्षेत्रों से 'पूर्ण सैन्य वापसी' के महत्व पर जोर दिया है।

खरगे ने अपने पोस्ट में कहा, ''हम गलवान घाटी प्रकरण पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'क्लीन चिट' के पांचवें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, जहां हमारे बहादुर सैनिकों ने अपने जीवन का बलिदान दिया, चीन हमारी क्षेत्रीय अखंडता पर अतिक्रमण करना जारी रखे हुए है!''

पुरी में जगन्नाथ रथ यात्रा शुरू हुई

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तीनों रथों की परिक्रमा की और देवताओं के सामने माथा टेका...

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी (ओडिशा)/भाषा। पुरी स्थित 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर से रविवार दोपहर हजारों लोगों ने विशाल रथों को खींचकर लगभग 2.5 किलोमीटर दूर गुंडिचा मंदिर की ओर प्रस्थान किया। पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने अपने शिष्यों के साथ भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों के दर्शन किए तथा पुरी के राजा ने 'छेरा पहनारा' (रथ सफाई) अनुष्ठान पूरा किया, जिसके बाद शाम करीब 5.20 बजे रथ खींचने का कार्य शुरू हुआ। रथों में लकड़ी के घोड़े लगाए गए थे और सेवक पायलट श्रद्धालुओं को रथों को सही दिशा में खींचने के लिए मार्गदर्शन कर रहे थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तीनों रथों की परिक्रमा की और देवताओं के सामने माथा टेका। राष्ट्रपति, ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मुख्य जगन्नाथ रथ को जोड़ने वाली रस्सियों को खींचकर प्रतीकात्मक रूप से इस कवायद की शुरुआत की। विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने भी तीनों देवताओं के दर्शन किए।

भगवान बलभद्र के लगभग 45 फुट ऊंचे लकड़ी के रथ को हजारों लोगों ने खींचा। इसके बाद देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के रथ खींचे जाएंगे। पीतल के झांझ और हाथ के ढोल की ताल बजाते हुए पुजारी छत्रधारी रथों पर सवार देवताओं को घेरे हुए थे जब रथयात्रा मंदिर शहर की मुख्य सड़क से धीरे-धीरे आगे बढ़ रही थी। पूरा वातावरण 'जय जगन्नाथ' और 'हरिबोल' के जयकारों से गूंज रहा था और श्रद्धालु इस पावन मौके पर भगवान की एक झलक पाने का प्रयास कर रहे थे। रथयात्रा शुरू होने से पहले विभिन्न कलाकारों के समूहों ने रथों के सामने 'कीर्तन' और ओडिसी नृत्य प्रस्तुत किये। अनुमान है कि वार्षिक रथ उत्सव के लिए इस शहर में लगभग दस लाख भक्त एकत्रित हुए हैं। अधिकांश श्रद्धालु ओडिशा और पड़ोसी राज्यों से थे, कई विदेशी भी इस रथयात्रा में शामिल हुए, जिसे विश्व स्तर पर सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक माना जाता है। इस बीच, मुख्यमंत्री मोहन माझी पुरी पहुंचे और पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती से मुलाकात की। माझी ने कहा कि उन्हें पुरी के शंकराचार्य से मिलने का अवसर मिला, जिन्होंने उन्हें राज्य के गरीबों और निराश्रितों को सेवा और न्याय प्रदान करने की सलाह दी। शंकराचार्य ने मुख्यमंत्री को श्रीक्षेत्र पुरी और गोवर्धन पीठ के जीर्णोद्धार के लिए कदम उठाने की भी सलाह दी है। इससे पहले दिन में, तीन घंटे तक चली 'पहांडी' रस्म के पूरा होने के बाद अपराह्न 2.15 बजे भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा को उनके रथों पर विराजमान किया गया।जब भगवान सुदर्शन को सबसे पहले देवी सुभद्रा के रथ दर्पदलन' तक ले जाया गया तो पुरी मंदिर के सिंहद्वार पर घंटियों, शंखों और मंजीरों की ध्वनियों के बीच श्रद्धालुओं ने 'जय जगन्नाथ' के जयकारे लगाए। भगवान सुदर्शन के पीछे-पीछे भगवान बलभद्र को उनके 'तालध्वज रथ' पर ले जाया गया। सेवक भगवान जगन्नाथ और भगवान बलभद्र की बहन देवी सुभद्रा को विशेष शोभा यात्रा निकालकर दर्पदलन' रथ तक लाये। अंत में, भगवान जगन्नाथ को घंटियों की ध्वनि के बीच एक पारंपरिक शोभा यात्रा निकालकर 'नंदीघोष' रथ पर ले जाया गया।

भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा को रत्न जड़ित सिंहासन से उतारकर 22 सीढ़ियों (बैसी पहाचा) के माध्यम से सिंह द्वार से होकर एक विस्तृत शाही अनुष्ठान 'पहांडी' के जरिए मंदिर से बाहर लाया गया। मंदिर के गर्भगृह से मुख्य देवताओं को बाहर लाने से पहले मंगला आरती' और मैलम' जैसे कई पारंपरिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। मंदिर के गर्भगृह से देवताओं के निकलने से पहले 'मंगला आरती' और 'मैलम' जैसे कई अनुष्ठान किए गए। इस साल 53 साल बाद कुछ खगोलीय स्थितियों के कारण रथ यात्रा दो दिवसीय होगी। परंपरा से हटकर, 'नबजौबन दर्शन' और 'नेत्र उत्सव' सहित कुछ अनुष्ठान रविवार को एक ही दिन में किए जाएंगे। ये अनुष्ठान आमतौर पर रथ यात्रा से पहले किए जाते हैं। 'नबजौबन दर्शन' का अर्थ है देवताओं का युवा रूप, जो 'स्नान पूर्णिमा' के बाद आयोजित 'अनासरा' (संगरोध) नामक अनुष्ठान में 15 दिनों के लिए दरवाजे के पीछे थे। पौराणिक कथाओं के अनुसार, 'स्नान पूर्णिमा' पर अत्यधिक स्नान करने के कारण देवता बीमार पड़ जाते हैं और इसलिए घर के अंदर ही रहते हैं। 'नबजौबन दर्शन' से पहले, पुजारियों ने 'नेत्र उत्सव' नामक विशेष अनुष्ठान किया, जिसमें देवताओं की आंखों की पुतलियों को नए सिरे से रंगा जाता है।

माचिस की तीलियों और लकड़ी का इस्तेमाल करके बनाया भगवान जगन्नाथ का छोटा रथ

बरहामपुर (ओडिशा)/भाषा। बरहामपुर के एक व्यवसायी ने रविवार को रथयात्रा के मौके पर पर्यावरण अनुकूल एक उत्कृष्ट कलाकृति पेश की। यह एक लघु रथ और भगवान जगन्नाथ की मूर्ति है, जिसे माचिस की तीलियों और बेकार पड़ी लकड़ी से तैयार किया गया है। सत्य नारायण मोहराणा (47) द्वारा निर्मित लघु नंदीघोष तीन इंच लंबा और दो इंच चौड़ा है, जबकि देव मूर्ति की ऊंचाई केवल एक इंच है। भगवान जगन्नाथ के 'नंदीघोष' रथ की यह जटिल प्रतिकृति न केवल उनकी उल्लेखनीय शिल्पकला का प्रमाण है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है।

मोहराणा ने रथ के सभी तत्वों की नकल की, जिसमें 16 पहिये, चार घोड़े और एक सारथी शामिल है। पहिये बेकार लकड़ी से बने हैं जबकि पूरा रथ और उसके घटक माचिस की तीलियों से बनाए गए हैं। कलाकार ने तीलियों को जोड़ने के लिए गोंद का इस्तेमाल किया और भगवान और रथ के अन्य हिस्सों को जीवंत बनाने के लिए रंगा है। मोहराणा ने कहा, ''इस मूर्ति को बनाकर मैं समाज को यह संदेश देना चाहता हूं कि प्रतिबंधित प्लास्टिक वस्तुओं का उपयोग किए बिना पर्यावरण अनुकूल रथ यात्रा मनाई जाए।'' पेशे से व्यवसायी मोहराणा पिछले 10 वर्षों से रथ यात्रा के लिए भगवान जगन्नाथ के छोटे-छोटे रथ और मूर्तियां बनाते आ रहे हैं।

अवसाद और इंटरनेट गेमिंग की समस्या से जूझने वाले छात्र को सुधार परीक्षा देने की अनुमति मिली

मुंबई/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय ने उस 19 वर्षीय एक लड़के को 12वीं कक्षा की सुधार परीक्षा देने की अनुमति दे दी है, जो अवसाद और इंटरनेट गेमिंग की समस्या से पीड़ित होने के कारण पिछले साल हुई परीक्षा में अपनी अपेक्षानुसार अंक हासिल नहीं कर पाया था। न्यायमूर्ति ए. एस. चंदुरकर और न्यायमूर्ति राजेश पाटिल की खंडपीठ ने चार जुलाई के अपने आदेश में कहा कि न्याय के हित में लड़के को उच्चतर माध्यमिक प्रमाण पत्र (एचएससी) के लिए सुधार परीक्षा में बैठने का अवसर दिया जाना चाहिए। लड़के ने अपनी याचिका में कहा कि वह हमेशा औसत से ऊपर दर्जे का छात्र रहा है और 11वीं कक्षा तक उसने 85-93 प्रतिशत अंक हासिल किए। हालांकि, मार्च 2023 में जब उसने 12वीं कक्षा की परीक्षा दी थी तब वह अवसाद से ग्रस्त था और इस वजह से 600 में से सिर्फ 316 अंक प्राप्त कर पाया। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि वह जुलाई 2023 से दिसंबर 2023 तक अवसाद का इलाज करा रहा था।

सीमेंट फैक्टरी में बहुत गर्म सामग्री गिरने से करीब 15 लोग घायल

एनटीआर डिस्ट्रिक्ट/भाषा। आंध्र प्रदेश में रविवार को यहां स्थित सीमेंट फैक्टरी में बहुत गर्म सामग्री गिरने से करीब 15 लोग घायल हो गए जिनमें से पांच की हालत गंभीर है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। नंदीगाम के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) बी रवि किरण ने बताया कि एनटीआर जिले के जग्गैयापेटा मंडल में स्थित बुदावाड़ा अल्ट्रा टेक सीमेंट फैक्टरी में जब कर्मचारी दूसरी मंजिल पर काम कर रहे थे । इसी दौरान सीमेंट निर्माण में इस्तेमाल होने वाली कोई बेहद गर्म सामग्री तीसरी मंजिल से उन पर आ गिरी। किरण ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, कोई विस्फोट नहीं हुआ, लेकिन बड़ी मात्रा में सामग्री तीसरी मंजिल से दूसरी मंजिल पर गिर गया। इस गर्म सामग्री की चपेट में आने से कई लोग झुलस गए। एसीपी के मुताबिक, हादसा करीब 11.30 बजे हुआ और घायलों में स्थानीय एवं प्रवासी श्रमिक शामिल हैं। इस बीच, कुछ मजदूरों ने सीमेंट फैक्टरी के कार्यालय में घुसकर कुछ खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए और तोड़फोड़ की, जिसके बाद पुलिस को मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करना पड़ा। औद्योगिक दुर्घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को घायल श्रमिकों के लिए बेहतर इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, नायडू ने अधिकारियों को दुर्घटना के कारण पर एक रिपोर्ट सौंपने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कदम उठाने का निर्देश दिया।

भारी बारिश के कारण मुंबई उपनगरीय ट्रेन सेवाएं बाधित

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में कसारा और टिटवाला स्टेशन के बीच लोकल ट्रेन सेवाएं भारी बारिश और एक पेड़ गिरने के कारण रविवार सुबह बाधित हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सुबह करीब साढ़े छह बजे भारी बारिश के कारण आटगांव और तानशेट स्टेशन के बीच पटरियों पर मिट्टी आ गई और वाशिंद स्टेशन के पास एक पेड़ गिरने से पटरियां अवरुद्ध हो गईं, जिससे कल्याण-कसारा मार्ग पर रेल यातायात अवरुद्ध हो गया। मध्य रेलवे (सीआर) के एक प्रवक्ता ने कहा, कसारा और टिटवाला के बीच ट्रेन सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दी गई हैं। अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब साढ़े छह बजे पटरियों को असुरक्षित घोषित कर दिया गया। मध्य रेलवे के एक और प्रवक्ता ने बताया कि वाशिंद के पास 'ओवरहेड इक्विपमेंट' (ट्रेन में विद्युत कर्षण के जरिए ऊर्जा संचारित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला उपकरण) का एक खंभा झुक गया और मुंबई जा रही पंजाब मेल ट्रेन का 'पेंटोग्राफ' (विद्युतग्राही उपकरण) उसमें उलझ गया। अधिकारी ने कहा कि मरम्मत का काम जारी है और पटरियों को जल्द से जल्द साफ करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मध्य रेलवे के अनुसार, वासिंद-खडावली सेक्शन में जलभराव के कारण ट्रेन को कल्याण-लोनावाला-पुणे-मिराज-लोंदा-मडगांव मार्ग पर परिचालित किया जा रहा है। उसने कहा कि वाशिंद और खडावली स्टेशन के बीच पटरियों पर जलभराव की सूचना है। लंबी दूरी की रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तित किया गया है या उन्हें उनके गंतव्य से पहले ही रोक दिया गया है। उपनगरीय ट्रेन सेवाओं को मुंबई के अलावा ठाणे, पालघर और रायगढ़ सहित उसके पड़ोसी क्षेत्रों की जीवन रेखा माना जाता है। मध्य रेलवे के उपनगरीय नेटवर्क के जरिए प्रतिदिन 30 लाख से अधिक लोग यात्रा करते हैं।

अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा शुरू, अमित शाह ने की आरती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। भगवान जगन्नाथ की 147वीं रथ यात्रा रविवार सुबह गुजरात के अहमदाबाद शहर में शुरू हुई, जहां उनके दर्शन के लिए यात्रा मार्ग पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े।

भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बालभद्र और बहन सुभद्रा का रथ दशकों पुरानी परंपरा के अनुसार खलासी समुदाय के सदस्यों ने खींचा। यह रथ यात्रा हर साल आषाढ़ माह के दूसरे दिन निकाली जाती है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने 'मंगला आरती' की और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 'पाहिंद विधि' संपन्न की। यह विधि जमालपुर इलाके में भगवान जगन्नाथ के 400 वर्ष पुराने मंदिर से रथ यात्रा शुरू होने पर सोने की झाड़ू से यात्रा मार्ग को साफ करने की परंपरा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पहले बताया था कि इस कार्यक्रम के लिए 22,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया जाएगा और लोगों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए 20 ड्रोन के साथ-साथ कैमरे लगे कुछ गुब्बारे का भी उपयोग किया जाएगा। इनमें से 4,500 जवान पूरे 16 किलोमीटर लंबे मार्ग पर रथ यात्रा के साथ चलेंगे, जबकि 1,931 जवान यातायात प्रबंधन के लिए तैनात किए जाएंगे। दशकों पुरानी परंपरा के अनुसार, रथ यात्रा शहर के विभिन्न इलाकों से गुजरते हुए रात आठ बजे तक लौटेगी।

भगवान महावीर स्वामी निर्वाण कल्याणक

नवकार करे भव पार 3.0 पहले चरण के नवकार कार्ड हुए वितरित

बेंगलूरु। शहर के जैन युवा संगठन द्वारा भगवान महावीर स्वामी के 2550वें निर्वाण कल्याणक निमित्त आत्मशुद्धि, विश्व शांति एवं सर्व कल्याण के लिए 25.5 करोड़ नवकार महामंत्र का जाप के नवकार कार्ड अध्यक्ष महावीर मुणोत के नेतृत्व में विभिन्न चातुर्मासिक प्रवेश स्थलों पर वितरित किए गए। सदस्यों ने अक्कीपेट, विजयनगर पाइपलाइन, विमलनाथ बसवनगुड़ी, राजाजीनगर शंखेश्वर, कुमारापार्क, गांधीनगर त्यागराजनगर मंदिर, मंजुनाथनगर जैन भवन, तुरकिया भवन, रत्न हितैशी भवन, पार्क वेस्ट व केन्टोन्मेंट मंदिर में नवकार मंत्र जाप वितरित किए गए। इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत के साथ उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, मंत्री नीरज कटारिया,सहमंत्री सुश्रुत चेलावत, पूर्व अध्यक्ष दिनेश खिन्वेसरा,पूर्व उपाध्यक्ष दिलीप संचेती पूर्व मंत्री मदन मुणोत समन्वय समिति चेयरमैन मुकेश बाबेल आदि उपस्थित थे।

ठाणे में बारिश के कारण रिसॉर्ट में फंसे 49 लोगों को एनडीआरएफ ने बचाया

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में भारी बारिश के कारण जलमग्न हुए एक रिसॉर्ट में फंसे 49 लोगों और पालघर के 16 ग्रामीणों को रविवार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि एनडीआरएफ की एक टीम ने शाहपुर क्षेत्र में स्थित रिसॉर्ट में फंसे लोगों को बचाने के लिए नावों और 'लाइफ जैकेट' का इस्तेमाल किया। जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने कहा कि वसई में साईवान स्थित चालिसपाड़ा में खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों का समूह पास के तानसा बांध में जलस्तर बढ़ने के बाद इलाके में आई बाढ़ के कारण फंस गया।

महिला मतदाताओं पर केंद्रित योजनाएं दो-तीन महीने में बंद हो जाएंगी : उद्धव ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को आरोप लगाया कि एकनाथ शिंदे सरकार की 'मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना' महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए है और यह योजना दो-तीन महीनों में बंद हो जाएगी।

उन्होंने यहां पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए किसानों के बिजली बिल माफ करने की सरकार की घोषणा के अनुरूप कृषि ऋण माफ करने की अपनी मांग दोहराई। ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर महाराष्ट्र में जातियों के बीच दरार पैदा करने का आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री ने मांग की कि केंद्र अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के हितों को नुकसान पहुंचाए बिना मराठाओं और अन्य समुदायों को आरक्षण देने के लिए संसद में एक कानून पारित करके आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को बढ़ाए। उन्होंने कहा, ''कई योजनाएं शुरू की जा रही हैं। यह चुनाव से पहले महिला मतदाताओं को लुभाने की एक चाल है। योजनाएं केवल दो-तीन महीने के लिए हैं। उनकी (सत्तारूढ़ गठबंधन) सरकार वापस नहीं आएगी और अगर वह लौटती भी है, तो इसके बाद योजनाएं बंद कर दी जाएंगी।''

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव इंदौर में 51 लाख पौधे लगाने के अभियान में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर(मध्यप्रदेश)/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में 51 लाख पौधे लगाने के जारी अभियान में रविवार को शामिल हुए और उन्होंने भीषण गर्मी की समस्या से निपटने के लिए हरित आवरण बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि इंदौर में सरकार और आम नागरिकों की भागीदारी से संचालित यह पौधारोपण अभियान 14 जुलाई को खत्म होगा। यादव ने अपने इंदौर के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सीमा सुरक्षा बल के बिजासन क्षेत्र स्थित परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पौधा लगाया। इस दौरान राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव और कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी मौजूद थे। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस मौके पर आयोजित समारोह में कहा, इस साल हमने देश के कई हिस्सों में 45 से 50 डिग्री सेल्सियस के बीच की भीषण तपन को महसूस किया है। मनुष्य ने विकास की दौड़ में धरती पर कंक्रीट के शहर तो बसा दिए, लेकिन हरियाली को उजाड़ दिया। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में पांच जून से शुरू किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान से धरती मां के प्रति सम्मान जताया जा रहा है जिससे हरित आवरण में इजाफा होगा। मुख्यमंत्री यादव ने बताया कि इस अभियान के तहत पूरे प्रदेश में 5.50 करोड़ पौधे लगाने की योजना बनाई गई है।

सूरत में इमारत ढहने की घटना में मृतकों की संख्या सात हुई, एक व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत/भाषा। गुजरात के सूरत शहर में छह मंजिला इमारत ढहने की घटना में रात में छह और शव बरामद होने के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इमारत के किराएदारों से किराया वसूलने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है और उस पर तथा इमारत के दो मालिकों पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार पाल इलाके में स्थित यह आवासीय इमारत जीर्ण-शीर्ण अवस्था में थी और शनिवार दोपहर करीब 2:45 बजे ढह गई। सूरत पुलिस ने एक बयान में कहा कि बचाव अभियान में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक टीम, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की दो टीम, पुलिसकर्मी और दमकलकर्मी शामिल थे। करीब तीन घंटे के अभियान के बाद वे कशिश शर्मा नाम की 20 वर्षीय महिला को निकालने में सफल रहे और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। एक अधिकारी ने पहले बताया था कि शनिवार रात को एक व्यक्ति का शव निकाला गया। पुलिस के अनुसार बचाव दल ने बाद में मलबे से छह और शव निकाले।

केरल और तमिलनाडु में ऊंची समुद्री लहरें उठने की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल और तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों में सोमवार रात 11:30 बजे तक समुद्र में अचानक ऊंची लहरें उठने और ज्वार आने की संभावना जताई गयी है। यह जानकारी मौसम एजेंसी ने दी है।

समुद्र में अचानक उफान आने की घटना और इसकी वजह से तटीय क्षेत्रों में तेज लहरें उठने को 'कल्लाक्कडल' कहा जाता है। भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस) ने रविवार को मछुआरों और तटीय निवासियों को समुद्र में संभावित लहरें उठने के बारे में चेतावनी जारी की।

देश में मछुआरों के लिए मौसम की चेतावनी जारी करने वाली केंद्रीय एजेंसी आईएनसीओआईएस ने लोगों को सलाह दी है कि वे मछली पकड़ने वाले अपने जहाजों का लंगर बंदरगाह पर सुरक्षित रूप से डाल दें। इसने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में रहने वाले तटीय लोगों को संभावित खतरे के मद्देनजर सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह भी दी है।

एक बयान में कहा गया है कि चेतावनी को ध्यान में रखते हुए लोगों को समुद्र तटों और समुद्र में जाने से पूरी तरह बचने की सलाह दी गई है।

'आर्मस्ट्रांग हत्या मामले के असल अपराधियों को गिरफ्तार नहीं किया गया, सीबीआई करे जांच'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने उनकी पार्टी की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराए जाने की रविवार को मांग की। आर्मस्ट्रांग की शुक्रवार को यहां हत्या कर दी गई थी। मायावती ने दावा किया कि इस मामले में अब तक गिरफ्तार किये गए लोग असल अपराधी नहीं हैं और उन्होंने मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने इस मामले की जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का आग्रह किया ताकि न्याय मिल सके।

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने यहां आर्मस्ट्रांग को श्रद्धांजलि दी और शहर के पेरम्बूर स्थित एक निजी स्कूल में 52 वर्षीय नेता के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। बसपा प्रमुख ने कहा कि हमलावरों के एक समूह ने शुक्रवार देर शाम जिस तरह से उनकी हत्या कर दी, उससे पता चलता है कि राज्य में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। मायावती ने कहा कि स्टालिन को आर्मस्ट्रांग के लिए न्याय सुनिश्चित करना चाहिए और सीबीआई को जांच सौंपनी चाहिए। उन्होंने कहा, उनकी जिस तरह से हत्या की गई, उससे पता चलता है कि तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। जिन्होंने उनकी हत्या की है, उन असल दोषियों को अभी तक नहीं पकड़ा गया है। उन्होंने कहा, असल दोषियों को अभी तक नहीं पकड़ा गया है। जांच को सीबीआई को सौंप दिया जाना चाहिए। हमें उम्मीद नहीं है कि राज्य सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी, इसलिए मामले को तुरंत सीबीआई को सौंप दिया जाना चाहिए। बसपा नेता ने कहा कि आर्मस्ट्रांग की हत्या के बाद पूरे राज्य में दलितों के बीच भय पैदा हो गया है और उन्होंने मुख्यमंत्री से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बसपा ने मामले को गंभीरता से लिया है, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं को कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए।

मद्रास उच्च न्यायालय ने राज्य बीएसपी प्रमुख के शव को तिरुवल्लूर में दफनाने की अनुमति दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। मद्रास उच्च न्यायालय ने रविवार को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के तमिलनाडु प्रमुख के. आर्मस्ट्रांग की पत्नी की एक याचिका पर विशेष सुनवाई की, जिसमें आर्मस्ट्रांग के शव को यहां पार्टी कार्यालय में दफनाने की अनुमति देने का अनुरोध किया गया था। हालांकि उच्च न्यायालय ने पत्नी की सहमति के बाद शव को पड़ोसी तिरुवल्लूर जिले में दफनाने की अनुमति दी।

मायावती के नेतृत्व वाली बसपा की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख आर्मस्ट्रांग (52) की शुक्रवार को बदमाशों के एक समूह ने हत्या कर दी थी। आर्मस्ट्रांग की पत्नी ने उन्हें यहां पार्टी कार्यालय में दफनाने के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर अनुमति मांगी। याचिका को न्यायमूर्ति वी. भवानी सुब्बारोयन की पीठ के सामने सुनवाई के लिए पेश किया गया। सरकार ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि यह एक रिहाइशी इलाका है। सरकार ने कहा कि उसने शव को दफनाने के लिए तीन अन्य जगह चिन्हित की हैं।

अतिरिक्त महाधिवक्ता जे रविन्द्रन ने न्यायाधीश को बताया कि सरकार ने तिरुवल्लूर जिले के पोथुर में आर्मस्ट्रांग के रिश्तेदार की जमीन पर शव को दफनाने की अनुमति दे दी है और इस प्रक्रिया के लिए आवश्यक आदेश भी दिए गए हैं। याचिकाकर्ता ने भी प्रस्ताव स्वीकार कर लिया, जिसके बाद न्यायाधीश ने निर्देश दिया कि आर्मस्ट्रांग के शव को पोथुर में दफनाया जाए।

न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता को शांतिपूर्ण अंतिम संस्कार यात्रा निकालने का निर्देश दिया और पुलिस को सुरक्षा देने को कहा।

एनआईएमएस की चिकित्सक ने आत्महत्या की

हैदराबाद/भाषा। राजकीय निजाम्स इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) में कार्यरत 46 वर्षीय एक चिकित्सक ने यहां स्थित अपने घर पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चिकित्सक अस्पताल के एनेस्थीसिया विभाग में प्राध्यापक थीं और संदेह है कि उन्होंने पांच जून को स्वयं को एनेस्थीसिया का इंजेक्शन लगा लिया। बेगमपेट पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि चिकित्सक पांच जून को अस्पताल से अपने फ्लैट लौटीं, लेकिन उन्होंने अपने चिकित्सक पति का फोन नहीं उठाया। अधिकारी ने बताया कि जब महिला चिकित्सक के पति घर पहुंचे तो उन्होंने दरवाजा अंदर से बंद पाया और उन्होंने पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा और अपनी पत्नी को बेहोशी की हालत में पड़ा पाया। अधिकारी ने बताया कि महिला चिकित्सक को अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में एक मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

प्रेस क्लुब ऑफ बेंगलूरु के चुनाव में आर श्रीधर फिर बने अध्यक्ष

बेंगलूरु। रविवार को बेंगलूरु प्रेस क्लब के कार्यकारी समिति चुनाव 2024-25 के लिए विभिन्न पदों पर चुनाव हुए। बहुत ही सुन्दर ढंग से आयोजित किए गए चुनाव में आर. श्रीधर को पुन: अध्यक्ष चुना गया। वहीं उपाध्यक्ष मोहनकुमार बी.एन., महासचिव शिवकुमार एमडी (सिल्वर प्लेट), सचिव मंजूनाथ जी.वाई, संयुक्त सचिव धरनीश बी.एन, कोषाध्यक्ष गणेश जी को चुना गया। वहीं कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में रोहिणी, सीआर मंजुनाथ, मुमताज अलीम, यासिर मुश्ताक, शरणबसप्पा ए.एच, शिवन्ना और महिला आरक्षण में मिनी तेजस्वी को चुना गया।

कर्नाटक में बढ़ रहे हैं डेंगू के मामले, भाजपा नेता ने की 'आपातकालीन स्थिति' घोषित करने की मांग

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक में डेंगू के मामलों में वृद्धि होने की खबरों के बीच, राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने रविवार को सरकार से इसे 'आपातकालीन स्थिति' घोषित करने तथा लोगों के लिए डेंगू की जांच की नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ने डेंगू के प्रसार पर निगरानी रखने और इसे नियंत्रित करने के लिए अन्य उपायों के अलावा प्रत्येक तालुका में एक कार्यबल और एक नियंत्रण कक्ष स्थापित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। अशोक ने कहा, जनवरी से राज्य में डेंगू के मामले बढ़ रहे हैं, डेंगू के कारण दो बच्चों की मौत हो चुकी है और हर दिन डेंगू के कारण तीन से चार लोगों की मौत होने की खबर आ रही है और यह दु:खद है। पूरे राज्य में लोगों में डर है, लेकिन सरकार अब भी नहीं डरी है। एक सरकारी अस्पताल का दौरा करने और संक्रमित मरीजों एवं चिकित्सकों से मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जांचे गए सौ नमूनों में से 13 से 14 प्रतिशत में डेंगू की पुष्टि हो रही है और इस रोग से पीड़ित लोगों की मृत्यु की संख्या में भी वृद्धि होने की खबरें हैं, इसलिए डेंगू पर नियंत्रण महत्वपूर्ण है.....सरकार को प्रत्येक तालुका में एक कार्यबल का गठन करना चाहिए था और एक नियंत्रण कक्ष बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें मिली जानकारी के अनुसार राज्य में दो लाख से अधिक लोग डेंगू से संक्रमित हैं। अशोक ने कहा कि सरकार को जांच का खर्च वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा, जिस प्रकार से हमने कोविड के दौरान मुफ्त जांच की थी... ''मैं सरकार से तुरंत जांच मुफ्त करने का आग्रह करता हूं। जांच के लिए 600 से 1,000 रुपये लिये जा रहे हैं, गरीब लोग जांच नहीं करा पा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, सरकार को डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी की स्थिति को 'आपातकालीन स्थिति' घोषित कर देना चाहिए और अधिकारियों को सतर्कता बरतनी चाहिए।

अफ्रीकी स्वाइन फ्लू फीवर के प्रकोप के मद्देनजर 310 सूअरों को मारा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने रविवार को कहा कि अफ्रीकी स्वाइन फीवर (एएसएफ) के प्रकोप के बाद केरल के त्रिशूर जिले में लगभग 310 सूअरों को मार दिया गया है।

इस प्रकोप का पता मदक्कथरन पंचायत में चला जिसके बाद राज्य के पशुपालन विभाग ने तुरंत कार्रवाई की। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पांच जुलाई को इस क्षेत्र के एक किलोमीटर के दायरे में सूअरों को मारने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दलों को तैनात किया गया था।

यह देश में एएसएफ से निपटने के क्रम में नवीनतम घटना है, जो पहली बार मई 2020 में पूर्वोत्तर राज्यों असम और अरुणाचल प्रदेश में सामने आया था। तब से, यह बीमारी देश भर के लगभग 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल गई है। मंत्रालय ने कहा, कार्य योजना के अनुसार प्रभावित क्षेत्र के 10 किलोमीटर के दायरे में आगे की निगरानी की जानी है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया, एएसएफ मनुष्यों में नहीं फैल सकता। हालांकि, एएसएफ के लिए टीके की कमी पशु रोगों के प्रबंधन में चुनौतियों को रेखांकित करती है।

वर्ष 2020 में तैयार की गई एएसएफ के नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना, प्रकोपों के लिए रोकथाम रणनीतियों और प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल की रूपरेखा तैयार करती है। देश में केरल में एएसएफ के नये प्रकोप के बीच केंद्र सरकार ने 6 जुलाई को एक संवादात्मक सत्र के साथ विश्व जूनोसिस दिवस मनाया। यह दिन - 6 जुलाई 1885 को लुई पाश्चर द्वारा पहली सफल रेबीज वैक्सीन तैयार करने की स्मृति में मनाया जाता है जो पशु और मानव स्वास्थ्य के बीच के मामूली भेद की स्पष्ट याद दिलाता है।

पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाली जूनोसिस बीमारियों में रेबीज और इन्फ्लूएंजा जैसे परिचित खतरे शामिल हैं तो साथ ही कोविड-19 जैसी हालिया चिंताएं भी शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा, जूनोटिक और गैर-जूनोटिक रोगों के बीच अंतर करना महत्वपूर्ण है। पशुओं से होने वाले कई रोग, जैसे खुरपका और मुंहपका रोग या गांठदार त्वचा रोग, मनुष्यों को संक्रमित नहीं कर सकते।''

मंगलूरु में 15 लाख रु के आभूषणों की चोरी के मामले में दो नाबालिगों समेत पांच पकड़े गए

मंगलूरु/भाषा। मंगलूरु में उल्लाल थाने की पुलिस ने 15 लाख रुपये के सोने के आभूषण चोरी करने के आरोप में शनिवार को दो नाबालिगों समेत पांच लोगों को पकड़ लिया। मंगलूरु के पुलिस उपायुक्त (कानून एवं व्यवस्था) सिद्धार्थ गोयल ने बताया कि 28 जून 2024 को उल्लाल धर्मनगर निवासी 65 वर्षीय श्रीधर के घर से चोरी गये आभूषणों को बरामद कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस बाबत पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जबकि दो नाबालिगों को पकड़ कर बाल सुधार गृह भेज दिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का सोना भी बरामद कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने चोरी किए गए गहने मंगलूरु शहर की अलग-अलग आभूषण दूकानों पर बेच दिए थे।

मंगलूरु में मादक पदार्थ गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु/भाषा। मंगलुरु पुलिस ने एक कथित मादक तस्कर को शनिवार को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने यहां बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति बाइक से एमडीएमए नामक मादक की तस्करी कर रहा है। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मंगलूरु पुलिस की अपराध शाखा ने उल्लालबेल इलाके में आरोपी के पास से 36 ग्राम एमडीएमए बरामद किया जिसकी कीमत 90,000 रुपये आंकी गयी है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद सफवान (32) के तौर पर हुई है।

केंद्र से 'बेवजह झगड़ रही' कर्नाटक की कांग्रेस सरकार : केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कर्नाटक में सिद्दरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर केंद्र के साथ 'बेवजह झगड़ने' का आरोप लगाते हुए कहा है कि इससे कोई मदद नहीं मिलेगी।

जनता दल सेक्युलर (जद-एस) नेता की पार्टी केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा नेतृत्व को उनपर भरोसा है तथा वह उनकी उम्मीदों को पूरा करना चाहते हैं।

कुमारस्वामी ने कहा, मैं जानता हूं कि यह सरकार (कर्नाटक में) केंद्र सरकार के साथ बेवजह झगड़ रही है। सबसे पहले मैं कर्नाटक सरकार से अनुरोध करता हूं कि झगड़ने से कोई फायदा नहीं होगा। या केंद्र सरकार पर आरोप लगाने से कोई फायदा नहीं होगा। जो भी मुद्दा है आइए हम साथ बैठकर चर्चा करें। 'पीटीआई-वीडियो' से बात करते हुए उन्होंने कहा, हम परस्पर विश्वास के साथ सफलतापूर्वक काम कर सकते हैं। (इसके बजाय) हर दिन (वे) सार्वजनिक रूप से आलोचना कर रहे हैं। वे रोजाना (केंद्र के खिलाफ) बयान दे रहे हैं...केंद्र सरकार की बिना किसी गलती के अनावश्यक रूप से उसकी आलोचना कर रहे हैं। गलती आपके (राज्य सरकार के) यहां ही है।

कुमारस्वामी ने कहा कि राज्य से संबंधित कई मुद्दे हैं और उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता कर्नाटक है। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे अपने विभागों के कामकाज को ठीक से समझने के लिए दो से तीन महीने और चाहिए।

सुरेश गोपी की प्रशंसा करने वाले त्रिशूर मेयर के समर्थन में आई भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर/भाषा। केरल में केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी की प्रशंसा कर मुश्किल में पड़े त्रिशूर नगर निगम के मेयर एम. के. वर्गीस का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को समर्थन किया।

भाजपा ने कहा कि पार्टी राजनीति से ऊपर उठकर विकास के लिए कार्य करने वाले हर व्यक्ति के साथ खड़ी है। भाजपा महासचिव एम. टी. रमेश ने यहां पत्रकारों से कहा, यह वास्तविकता है कि केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी त्रिशूर के विकास के लिए सोचते हैं। उनके सच्चाई कहने पर अन्य राजनैतिक संगठन नाराज क्यों हो रहे हैं। उन्होंने विरोधियों पर हर चीज में राजनीति करने का आरोप लगाया।

रमेश ने बयान वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) शासित त्रिशूर नगर निगम के महापौर वर्गीज द्वारा हाल ही में सुरेश गोपी के बारे में की गई सकारात्मक टिप्पणी से हुए राजनीतिक विवाद के बीच दिया है। वर्गीस ने कहा था कि अभिनेता से राजनेता बने इस व्यक्ति के पास त्रिशूर निर्वाचन क्षेत्र और केरल के विकास के लिए एक दृष्टिकोण है।

मेयर ने यह भी कहा कि एक जनप्रतिनिधि के तौर पर उनकी जिम्मेदारी है कि वह विकास के लिए सांसद या मंत्री के साथ खड़े रहें, चाहे उनकी राजनीति कुछ भी हो। हालांकि, भाजपा में शामिल होने के सवाल पर मेयर ने नकारात्मक जवाब दिया।

बेंगलूरु के दूसरे हवाई अड्डे के लिए स्थान पर निर्णय के लिए बैठक जल्द होगी : मंत्री

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के बुनियादी ढांचा विकास मंत्री एम बी पाटिल ने रविवार को कहा कि शहर के लिए प्रस्तावित दूसरे हवाई अड्डे के स्थान का फैसला करने के लिए जल्द ही एक बैठक बुलाई जाएगी। पाटिल ने कहा, अगर हम यात्री भार को प्राथमिकता दें, तो सरजापुरा और कनकपुरा रोड जैसे क्षेत्र बेहतर होंगे, वहीं दूसरी ओर अगर मौजूदा हवाई अड्डे से जुड़ाव को प्राथमिकता दी जाए तो तुमकुर और दोबस्पेट जैसी स्थान प्रमुख होंगे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, इन मुद्दों पर अगली विभागीय बैठक में चर्चा की जाएगी और मुख्यमंत्री के साथ समीक्षा की जाएगी और यह मुद्दा कैबिनेट की बैठक में भी रखा जाएगा। मंत्री ने कहा कि भूमि अधिग्रहण और भूस्वामियों को मुआवजा देने में लगने वाले समय को ध्यान में रखते हुए सरकार ने योजना प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि न्यूयॉर्क और लंदन जैसे प्रमुख शहरों के बीच कई हवाई अड्डे की दूरी बहुत कम है। उन्होंने कहा, मुंबई में दोनों हवाई अड्डों के बीच की दूरी 36 किलोमीटर है।

कर्नाटक में आंतरिक कलह में फंसी हुई है कांग्रेस की सरकार : शोभा करंदलाजे

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर आंतरिक कलह में फंसे होने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि राज्य के लोगों को डेंगू के बढ़ते मामलों और कानून-व्यवस्था की खराब स्थिति जैसी परेशानियों से बचाने के लिए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उनके प्रशासन को ''जागने'' की जरुरत है। करंदलाजे ने राज्य और बेंगलूरु शहर में रुकी हुई बुनियादी ढांचा संबंधी परियोजनाओं को लेकर कांग्रेस सरकार पर ''गहरी नींद'' में होने और मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्री पदों के लिए प्रतिस्पर्धा में उलझे होने का भी आरोप लगाया।

बेंगलूरु उत्तर के सांसद करंदलाजे ने सिद्दरामैया सरकार पर आरोप लगाया कि वह अपनी आंतरिक कलह के कारण जनता को भूल गई है। करंदलाजे ने कहा, बेंगलूरु शहर और राज्य में कई मुद्दे हैं और यहां कोई सरकार नहीं

है जो इस पर ध्यान दे। यह सरकार गहरी नींद में है। इस सरकार को कुछ भी कहने का कोई फायदा नहीं है, यह पत्थर पर पानी डालने जैसा होगा। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, इस सरकार में केवल एक ही बात हो रही है कि कौन मुख्यमंत्री और कौन उपमुख्यमंत्री बनेगा, केवल इसकी होड़ मची हुई है। और इसी प्रतिस्पर्धा तथा आंतरिक कलह के कारण कर्नाटक में जो सरकार है, वो राज्य के लोगों को भूल गई है।

उन्होंने कहा, सरकार को तुरंत जागना होगा, इससे पहले कि और लोगों की जान चली जाए। साथ ही कानून व्यवस्था की स्थिति भी खराब हो गई है, दुष्कर्म, हत्या, दिनदहाड़े हत्या के कई मामले सामने आ रहे हैं, लेकिन ऐसी स्थिति है कि सवाल उठाने वाला कोई नहीं है। इसलिए मैं सरकार और मुख्यमंत्री से आग्रह करता हूं कि वे जागें और लोगों की सुरक्षा करें। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता ने कहा कि डेंगू के साथ-साथ कर्नाटक में जीका वायरस के मामले भी सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग अस्पतालों में भर्ती हो रहे हैं और दवाओं की उपलब्धता तथा उनकी कीमतों को लेकर भी समस्याएं हैं। करंदलाजे ने बेंगलूरु की समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा, बैंगलोर जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएस) कुशलता से काम नहीं कर रहा है, पाइपों में रिसाव है, जिससे पानी और सीवेज जमा हो गया है। न तो सरकार और न ही उसके विभाग इस पर ध्यान दे रहे हैं।

M/S CEAT LIMITED
MARIANA EXPRESS LOGISTICS, C/O TMT INFRA & DISTRIPARKS NO. 104/4 VELLIVOYAL VILLAGE MANALI, NEW TOWN CHENNAI 600103

BIDDING NO. 2024-25/001/STOCK

The Competent Authority invites E-bids for disposal of water Affected material salvage of Silica and Rubber which had been damaged due to floods on "As is where is basis".

The interested bidders are advised to visit the **www.justauction.in.** The details of the E-bidding including list of items, approximate quantity available for disposal and its pictures are displayed on website.

Contact Person:
Mr. Umesh of M/s Ceat Limited.
Contact No. 9566278648.
Jyoti (Surveyor office) -
Contact No. 7011489391.

Inspection of water affected material stock can be done from **08.07.2024** to **15.07.2024** between **10.00 AM** TO **03.00 PM.**

E-bidding will be conducted on **16.07.2024** at 03.00 P.M to 04.00 P.M. hours.

To place your bid: https://shorturl.at/afOLe

No manual offers will be accepted against E-bidding.

Insurance Manager
M/s Ceat Limited

पर्यावरणअनुकूल जीवनशैली को बनाएं जन आंदोलन : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा/एजेन्सी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को पौधे लगाने, उन्हें पोषित करने तथा संरक्षित करने का आग्रह करते हुए लोगों से जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली को जन आंदोलन बनाने की अपील की।

इस वर्ष के वन महोत्सव सप्ताह की थीम एक 'पौधा मां के नाम' है। बिरला ने यहां स्थित लव-कुश वाटिका में वन महोत्सव दिवस के उपलक्ष में पौधा रोपण करने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा समय में पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस चुनौती से निपटने के लिए लोगों से मां के नाम से एक पौधा लगाने का आग्रह किया है और पूरी दुनिया को यह संदेश देने का काम किया है कि भारत जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने को लेकर कितना गंभीर है। उन्होंने कहा,मौजूदा समय में जलवायु परिवर्तन एक गंभीर समस्या बनी हुयी है और पूरी दुनिया इस समस्या को लेकर चिंतित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस समस्या के निपटने के लिए मां के नाम पर एक पौधा लगाने की आग्रह किया है और पूरी दुनिया को यह संदेश देने का काम किया है कि भारत इस विकट समस्या को लेकर किस कदर सचेत है तथा इसे रोकने के लिए लगातार कदम उठा रहा है।

बिरला ने कहा, जब हम पेड़-पौधे को संरक्षित करेंगे, तभी हमारी आने वाली पीढ़ियां सुरक्षित रह पायेंगी। उन्होंने सांसदों से पौधे लगाने और पर्यावण अनुकूल जीवनशैली को जन आंदोलन बनाने में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा, सभी सांसदों, चाहे वे किसी भी राजनीतिक दल से संबंधित हो, का कर्तव्य है कि वे पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली को जन आंदोलन बनाएं। इस मौके पर वनों को संरक्षित करने को लेकर कई लोगों को सम्मानित भी किया गया।

भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार में विकास का बनेगा इतिहास : सीपी जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष सी पी जोशी ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर पांच वर्ष के कार्यकाल के दौरान कोई जनहित कार्य नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार में विकास का इतिहास बनेगा।

चित्तौड़गढ़ से सांसद जोशी ने रविवार को कपासन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''पिछली कांग्रेस सरकार ने पांच साल जनहित में कोई काम नहीं किया। चुनाव से कुछ माह पूर्व कुछ किया उसमें भी जनता को लाइन में लगाकर अहसास करवा दिया कि हम आपको कुछ दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इसके विपरीत प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कई जनहित निर्णय लिये और भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार में विकास का इतिहास बनेगा।

जोशी ने कहा कि विपक्ष ने कई प्रकार के भ्रम फैलाने का काम किया है लेकिन इन सबके विपरीत लोगों ने जो ठाना वो करके दिखाया।

जोशी ने कहा कि साठ वर्षों में यह पहला अवसर है जब किसी राजनीतिक दल और किसी नेतृत्व की सरकार लगातार तीसरी बार बनी है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संभव हो सका है।

उन्होंने कहा कि यह इसलिए संभव हुआ है क्योंकि देश की जनता को कई वर्षों तक केवल वादे और नारे ही मिले, पिछले 10 वर्षों में जनता ने देखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो कहा उससे अधिक करके दिखाया।

उन्होंने कहा, '' इन वर्षों में गांव, गरीब, किसान, युवा महिला सहित समाज के हर वर्ग की मजबूती के लिए काम हुआ। सीमा पर तैनात सैनिकों का हौसला बढ़ा उन्हें अत्याधुनिक हथियार मिले। देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई और मां भारती का वैभव दुनिया में बढ़ा।''

युवा वर्ग के कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार को युवा वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध बताते हुए कहा हैं कि युवाओं के सपनों को तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

शर्मा ने रविवार को जयपुर में राजपुरोहित ग्लोबल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (राजपुरोहित छात्रावास) का फीता काटकर उद्घाटन किया एवं छात्रावास परिसर का अवलोकन भी किया और इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने हमारी युवा शक्ति को निराशा की गर्त में धकेल दिया था। पेपर लीक की घटनाओं से कड़ी मेहनत करने वाले ईमानदार विद्यार्थियों का मनोबल टूट गया था। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनते ही पेपर लीक के मामलों की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई। भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक व अन्य अनियमितताओं के संबंध में एसआईटी ने ठोस कार्रवाई करते हुए 108 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के सपनों को तोड़ने वालों को छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवा शक्ति की राज्य के विकास में सहभागिता बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने के लिए इस वर्ष लगभग 70 हजार पदों पर भर्तियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को निजी क्षेत्र में करिअर निर्माण में मार्गदर्शन देने के लिए प्रदेश के समस्त संभाग मुख्यालयों पर युवा साथी केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति और समाज के विकास का मुख्य आधार है। शिक्षा से ज्ञान प्राप्त कर कौशल का विकास होता है, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा हमें आत्मनिर्भर बनाती है और बेहतर जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त करती है। युवा वर्ग भारत का भविष्य है, अच्छी शिक्षा हासिल कर वह राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान निभाएं। उन्होंने कहा कि राजपुरोहित समाज शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस छात्रावास का निर्माण शिक्षा के क्षेत्र में समर्पण और सामाजिक सरोकार की सच्ची मिसाल है। यह छात्रावास युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए मजबूत आधार प्रदान करेगा।

नागरिकों को हिंसक कहना देश का अपमान है : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनू/एजेन्सी। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देश के नागरिकों को हिंसक और झूठा कहा, देश का इससे बड़ा अपमान नहीं हो सकता।

दिलावर रविवार को झुंझुनू में पत्रकारों से कहा कि गांधी को देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। विदेशी महिला से पैदा बेटा देश का भला नहीं कर सकता। दुख की बात है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता ने पूरे देश के लोगों को हिंसक और झूठा कहा। इससे बड़ा अपमान हिंदुस्तान और हिंदुओं का नहीं हो सकता। पता नहीं कांग्रेस किसके इशारे पर चल रही है। इन्हें कौन प्रेरणा दे रहा है। उन्होंने कि कहा चाणक्य ने कहा था कि विदेशी महिला के पेट से पैदा होने वाला व्यक्ति या बेटा देश का भला नहीं कर सकता। वह देश के खिलाफ ही कार्रवाई करेगा। चाणक्य की बात सच साबित हो रही है। क्योंकि राहुल गांधी विदेशी महिला के पुत्र हैं। इसलिए लगातार देश के खिलाफ बोलते रहते हैं। पहले भी उन्होंने कहा था कि हिंदू मंदिर में लड़कियां छेड़ने जाते हैं। यह हिंदू बहनों और भाइयों के लिए अपमानजनक टिप्पणी थी। अब उन्होंने कहा कि हिंदू हिंसक और झूठे हैं। यह कहकर उन्होंने हिंदू समाज, साधु-संतों, हमारे पूर्वजों, आगे की पीढ़ी और हमारा घोर अपमान किया है। किसी भी कीमत पर देश की जनता उन्हें माफ नहीं करेगी। कोचिंग संस्थान में छात्रों के आत्महत्या करने के मामलों पर दिलावर ने कहा कि आत्महत्या के लिए सिर्फ कोचिंग संस्थान जिम्मेदार नहीं हैं। छात्र की संगत और माता-पिता भी जिम्मेदार हैं। माता-पिता बच्चों से उनकी क्षमता से अधिक अपेक्षा करते हैं। बच्चे की क्षमता के हिसाब से उन्हें विषयों का चयन करवाने चाहिएं। डॉक्टर और इंजीनियर बनाना ही एकमात्र रास्ता नहीं है। कला विषय पढ़कर भी कामयाबी हासिल कर सकते हैं। उन्होंने किरोड़ी लाल मीणा के इस्तीफे पर कहा कि मंत्री कौन बनेगा यह फैसला आलाकमान करेगा। मुख्यमंत्री इसकी जानकारी दे देंगे।

कोटा से लापता कोचिंग छात्र, छात्रा बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा/एजेन्सी। राजस्थान की कोचिंग सिटी कहे जाने वाले कोटा से पिछले सप्ताह लापता हुए कोचिंग छात्र-छात्रा को बरामद करके पुलिस ने राहत की सांस ली है।

पुलिस अधीक्षक (शहर) डा. अमृता दुहन ने रविवार को बताया कि कोटा के कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र की एक निजी कोचिंग संस्थान की छात्रा अचानक घर से कहीं चली गई। घर में भाई-बहिनों के आपस में झगड़ने पर मम्मी ने उसे डांट दिया था। संभवत: इसी बात से नाराज होकर वह चली गई। उन्होंने बताया कि पुलिस तत्काल सक्रिय हुई और पूरे इलाके के सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो उसके रेलवे स्टेशन जाने और वहां से मुंबई जाने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने कड़ी से कड़ी मिलाते हुए छात्रा को मुंबई के अंधेरी से बरामद कर लिया।

एक अन्य घटना में कुन्हाड़ी थाने में ही उत्तर प्रदेश के शाहजापुर जिला निवासी धुमपाल सिंह राजपूत ने दो जुलाई को शिकायत दर्ज कराई थी कि एक निजी छात्रावास में रहने वाला पुत्र भरत बिना कुछ कहे ही घर से चला गया है। पुलिस को जांच के दौरान उसके बेगलूर जाने की जानकारी मिली। इस पर पुलिस ने बेंगलूर में उसे बरामद कर लिया। दरअसल में कोचिंग में उसका मन नहीं लगता था।

दोनों बच्चों को उनके परिजनों को सौंप दिया गया है।

रणथम्भौर में बाघ टी 58 रॉकी की मौत

भरतपुर/एजेन्सी। राजस्थान में सवाईमाधोपुर के विश्वविख्यात रणथंभौर नेशनल पार्क में बाघ टी 58 रॉकी की मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाघिन टी 26 शर्मीली का बेटा 12 वर्षीय रॉकी को शनिवार को हिंदवार गांव के पास देखा गया था, लेकिन रविवार को वह पानी के गड्ढे के किनारे मृत अवस्था में मिला। सूत्रों ने बताया कि रॉकी की मौत बीमारी की वजह से हुई है। सोमवार को सुबह पोस्टमार्टम के बाद रॉकी का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में 17 परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रश्नपत्र लीक मामले में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में 19 में से 17 परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए थे। उन्होंने कहा, ''पिछली सरकार के कार्यकाल में 19 में से 17 परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए थे, जिसे हमने गंभीरता से लिया है और हमने इसकी जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित की और उसने काम करना भी शुरू कर दिया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, '' पिछली सरकार ने हमारी युवा शक्ति को निराशा की गर्त में धकेल दिया था। प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं से कड़ी मेहनत करने वाले ईमानदार विद्यार्थियों का मनोबल टूट गया था।'' उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार बनते ही प्रश्नपत्र लीक के मामलों की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई। भर्ती परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक व अन्य अनियमितताओं के संबंध में एसआईटी ने ठोस कार्रवाई करते हुए 108 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के सपनों को तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

शर्मा ने रविवार को जयपुर में संत जनों की उपस्थिति में राजपुरोहित ग्लोबल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (राजपुरोहित छात्रावास) के उदघाटन समारोह के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा, '' प्रश्नपत्र लीक मामले में लगभग 108 लोगों को गिरफ्तार किया गया है ये वो लोग हैं जिन्होंने युवाओं के सपनों को चकनाचूर किया।

नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाना सभी की जिम्मेदारी : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा/एजेन्सी। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि समाज में परिवर्तन लाने के लिए नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। देवनानी रविवार को कोटा में विद्या भारती शिक्षा संस्थान के प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप मे संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नयी पीढ़ी को राष्ट्रीयता, देश प्रेम एवं मूल्यों की शिक्षा देकर उनमें देश के लिए समर्पण का भाव उत्पन्न करके हम 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा कर सकेंगे।

देवनानी ने कहा कि पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है। देश सक्षम नेतृत्व के हाथों में है। हमारी युवा पीढ़ी में तेरा वैभव अमर रहे मां की सोच पैदा करेंगे तभी हमारी शिक्षा सार्थक होगी। हमें रोजगारपरक शिक्षा देने के साथ ही संस्कारवान बनाने वाली शिक्षा देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि विद्या भारती में छात्र-छात्राओं को संस्कार दिए जाते हैं और उन्हें अच्छे नागरिक बनाने का प्रयास किया जाता है। आतंकवाद, जातिवाद, भाई-भतीजावाद एवं भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए वर्तमान में विद्या भारती के संस्कार की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि यहां से निकले छात्र डॉक्टर-इंजीनियर बनकर गरीबों की सेवा करने का भाव रखें। स्वयं से पहले राष्ट्र व समाज के प्रति कर्तव्य निर्वहन को प्राथमिकता दें और सब कुछ देश के लिए समर्पण करने का भाव लेकर आगे बढ़ें।

कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि विद्या भारती में पढ़ने वाले विद्यार्थी यहां से ऐसे संस्कार लेकर जाएं कि वे पूरे विश्व में देश का नाम रौशन कर सकें।

कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि शिक्षकों का ध्येय शिक्षा के साथ-साथ विशिष्टता का भाव पैदा करना है। यहां से निकले छात्र राष्ट्र सेवा के भाव के साथ विविध क्षेत्रों में अपना योगदान दे रहे हैं।

जेबतराशी की वारदात को अंजाम देने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के छह बदमाश गिरफ्तार

अजमेर/एजेन्सी। राजस्थान में अजमेर पुलिस ने रेलवे स्टेशन पर जेबतराशी की वारदात करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का खुलासा करके सरगना सहित छह बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक राममूर्ति जोशी ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को रतलाम निवासी परिवादी रईस खान ने शिकायत दर्ज कराई कि अजमेर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म दो पर खड़ी ट्रेन के कोच में चढ़ते समय पांच-छह व्यक्तियों ने घेर कर जेब से 30 हजार रुपये चोरी कर लिए। उन्होंने बताया कि रेलवे स्टेशन पर जेबतराशी की घटना को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की तलाश एवं गिरफ्तारी के लिए पुलिस दल का गठन किया गया। दल ने रेलवे स्टेशन एवं शहर के अन्य जगहों पर लगे 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों को खंगालकर संदिग्धों की पहचान की।

बाद मे परिवादी की निशानदेही पर आरोपी अमीनुद्दीन (47), हीर सिंह (56), आफताब अंसारी (50), हामो खान (58), मोहम्मद शाहजहां आलम (32), एवं खुर्शीद आलम (30) अजमेर पकड़ा गया।

सिरोही जिले में नाबालिग का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म, मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के सिरोही जिले में 17 साल की एक लड़की का दो लोगों द्वारा कथित तौर पर अपहरण कर उसके साथ चलती कार में सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने तीन जुलाई की रात लड़की को उसके घर से अगवा कर चलती कार में उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोपियों ने बाद में उसे गांव में छोड़ दिया।

पुलिस उपाधीक्षक भवानी सिंह ने कहा कि सम्बद्ध थाने में आरोपी वन्ना राम और दशरथ के खिलाफ अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया, तीन जुलाई को एक लड़की का अपहरण कर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। तत्काल मामला दर्ज किया गया और अगले दिन नियमानुसार लड़की का मेडिकल परीक्षण करवाया गया। मजिस्ट्रेट द्वारा पीड़िता का बयान लिया गया और आगे की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

राजशाही के जमाने से आयोजित हो रहा है श्रीराम का रथयात्रा मेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वैर/एजेन्सी। राजस्थान में भरतपुर जिले के वैर कस्बे में राजा प्रताप सिंह के राजशाही जमाने से ही भगवान श्रीराम का रथयात्रा मेला आयोजित हो रहा है।

मेले के आयोजकों के अनुसार भरतपुर जिला मुख्यालय से 47 किलोमीटर दूर बसे ऐतिहासिक वैर कस्बे में आयोजित इस ऐतिहासिक रथयात्रा मेले में लंबे समय से चली आ रही परम्पराओं के भी दर्शन होते हैं। मेले में समाज की विभिन्न जाति संप्रदाय ऊंच-नीच की सीमा लांघकर परस्पर एकता और आत्मीयता की भावना पुष्ट होती है।

यह मेला लोगों के मनोरंजन, मन बहलाव और उनके आर्थिक विकास के साधनों के साथ-साथ धार्मिक भावना का भी स्मरण करता है। रथयात्रा आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को सीताराम जी मंदिर से बैंड बाजे के साथ भगवान श्रीराम के जयघोष के साथ निकाली जाती है।

भगवान सीताराम जी के रथ को दो बड़े रस्सों के सहारे भक्तजनों द्वारा खींचा जाता है यह रथयात्रा कस्बे के गोपालगंज, पुराना बाजार, चांदनी चौक, लाल चौक होते हुए जैन मंदिर गली, गद्दीपट्टी, कहार मोहल्ला, बिचपुरी पट्टी होते हुए नए बस स्टैंड एवं पुलिस थाने के सामने होते हुए डाक बंगला तिराए भुसावर गेट होते हुए सीताराम जी मंदिर लौटकर आती है। रथयात्रा का भव्य स्वागत किया जाकर भगवान श्री राम के रथ के नीचे से नवजात शिशुओं को उनकी माताओं द्वारा निकाला जाकर उनकी दीर्घायु की कामना की जाती है। भगवान श्री राम के इस रथ पर कस्बावासियों द्वारा चढ़ावा चढ़ा कर अपनी श्रद्धा का इजहार किया जाता है। रथयात्रा को देखने के लिए आसपास के गांव के लोग भी काफी संख्या में पहुंचते हैं।

मुख्यमंत्री हिमंत ने किया राहत शिविरों का दौरा, लोगों से की बातचीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य में बाढ़ के चलते उत्पन्न हुए हालात के बीच रविवार को कामरूप जिले में राहत शिविरों का दौरा कर उनमें रह रहे लोगों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने तीन राहत शिविरों में रह रहे लोगों से मुलाकात कर बातचीत की तथा जिला प्रशासन को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, आज, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पलाशबाड़ी में अमृत चंद्र ठाकुरिया कॉमर्स कॉलेज में राहत शिविर का दौरा किया, जहां बाढ़ प्रभावित इलाके के 28 व्यक्तियों ने शरण ले रखी है।

सीएमओ ने एक अन्य पोस्ट में बताया कि मुख्यमंत्री ने एलपी स्कूल, नाहिरा में एक राहत शिविर में शरण लिए लोगों से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा, एचसीएम ने शिविर में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया और उपायुक्त(कामरूप) को दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करने और बच्चों व बुजुर्गों की जरूरतों का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया।

शर्मा ने नाहिरा गुइमारा क्षेत्रीय हाई स्कूल का भी दौरा किया और वहां ठहरे लोगों से बातचीत की। सीएमओ ने कहा, मुख्यमंत्री ने वहां अस्थायी रूप से रह रहे 236 लोगों से मुलाकात की और कामरूप जिले को शिविर में सभी आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, राज्य के 29 जिलों के 107 राजस्व क्षेत्र और 3,535 गांवों के कुल 23,96,648 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

असम में नेमाटीघाट (जोरहाट) में ब्रह्मपुत्र, तेजपुर (सोनितपुर) और धुबरी, चेनिमारी (डिब्रूगढ़) में बुरहिडीहिंग, दिखौ (शिवसागर), नांगलमुराघाट (शिवसागर) में दिसांग, नुमालीगढ़ (गोलाघाट) में धनसिरी, धरमतुल (नागांव) में कोपिली, करीमगंज में कुशियारा, और (बी पी घाट) कछार में बराक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। यहां बोरझार में स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने धुबरी, कोकराझार, चिरांग, बक्सा, कछार और करीमगंज में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है।

उत्तरप्रदेश में भारी वर्षा से बढ़ा नदियों का जलस्तर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश में मानसून के पूरी तरह सक्रिय होने के बीच नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है और कुशीनगर, बलरामपुर तथा श्रावस्ती जिलों के कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। राज्य सरकार की ओर से रविवार को यहां जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि नेपाल में मूसलाधार बारिश के बाद अचानक पांच लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने के कारण श्रावस्ती और कुशीनगर में बाढ़ में फंसे 87 लोगों को राहत अभियान चलाकर सुरक्षित निकाला गया है।

बयान के अनुसार श्रावस्ती जिले में बाढ़ में फंसे 11 और कुशीनगर जिले के 76 लोगों को बाहर निकाला गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बाढ़ प्रभावित इलाकों में मुस्तैदी बढ़ाने के आदेश के बाद अधिकारियों ने राहत अभियान चलाकर लोगों की जान बचायी। श्रावस्ती जिले में 18 गांव के करीब 400 ग्रामीणों को बाढ़ को देखते हुए सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया जबकि कुशीनगर में बचाव अभियान के दौरान फंसे हुए मवेशियों को भी सुरक्षित निकाला गया। योगी ने जिलाधिकारियों को 24 घंटे के भीतर क्षतिग्रस्त फसल की सर्वेक्षण रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिये और प्रशासन स्तर के अधिकारियों को सर्वेक्षण रिपोर्ट मिलते ही मुआवजा प्रदान करने को कहा है। राहत आयुक्त जी एस नवीन ने बताया कि शनिवार रात करीब आठ बजे राज्य स्तरीय आपातकालीन अभियान केंद्र को श्रावस्ती के तहसील जमुनहा की ग्राम पंचायत गजोभरी के ग्राम मोहनपुर भरथा एवं केवटन पुरवा में नेपाल से अचानक छोड़े गए पानी में 11 लोगों के फंसे होने की सूचना मिली, जिसमें तीन बच्चे, पांच महिलाएं और तीन पुरुष शामिल थे। सूचना मिलते ही तत्काल श्रावस्ती के जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी को इस संबंध में जानकारी दी गयी। इसके बाद लगभग आठ घंटे की कड़ी मेहनत के बाद सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और सभी का चिकित्सकों की टीम द्वारा प्राथमिक उपचार भी कराया गया। साथ ही सभी पीड़ितों को रामी बैराज स्थित गेस्ट हाउस में पहुंचाया गया। वहीं, रविवार को बाढ़ से प्रभावित श्रावस्ती जिले के 18 गांवों के करीब चार सौ लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है, जहां पर उन्हें पौष्टिक भोजन के साथ अन्य सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं।

राहत आयुक्त ने बताया कि शनिवार रात करीब आठ बजे राज्य स्तरीय आपातकालीन अभियान केंद्र को नेपाल में मूसलाधार बारिश के बाद देवघाट बैराज से 5,71,850 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सूचना मिलने पर कुशीनगर जिलाधिकारी उमेश मिश्रा को बड़ी गंडक में बाल्मीकि नगर बैराज द्वारा तीन लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने की संभावना पर तहसील खड्डा के गांवों के प्रभावित होने की तत्काल जानकारी दी गयी। इसके बाद प्रशासन ने तहसील खड्डा के प्रभावित 13 गांवों का निरीक्षण किया।

कई जिलों में बाढ़ की स्थिति

भारी बारिश के बाद बिहार के कई जिलों में कई नदियां खतरे के स्तर पर पहुंची

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के विभिन्न हिस्सों में पिछले 24 घंटों के दौरान लगातार बारिश से कोसी, महानंदा, बागमती, गंडक, कमला बलान और कमला सहित अन्य प्रमुख नदियां कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। जल संसाधन विभाग द्वारा रविवार को जारी बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया है कि कई स्थानों पर नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जबकि कुछ स्थानों पर वे चेतावनी के स्तर पर पहुंच गई हैं। बागमती नदी का जल स्तर सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, शिवहर, औराई, सुप्पी और अन्य आसपास के क्षेत्रों में खतरे के निशान पर पहुंच गया है। रविवार सुबह आठ बजे सीतामढ़ी और सुप्पी में बागमती नदी का जलस्तर 71.16 मीटर था, जो खतरे के निशान से 0.16 मीटर ऊपर है।

बुलेटिन के मुताबिक बागमती नदी ने रविवार को मुजफ्फरपुर, शिवहर, औराई और पिपराही में खतरे के निशान को पार कर लिया। गोपालगंज और इसके सिधवलिया प्रखंड में गंडक नदी खतरे के निशान 62.22 मीटर (रविवार सुबह 8 बजे) से ऊपर बह रही थी। इसी तरह कमला बलान नदी मधुबनी, लखनौर और झंझारपुर में खतरे के निशान (रविवार सुबह 8 बजे) पर पहुंच गई है। कमला बलान नदी जयनगर और झंझारपुर में भी खतरे के निशान क्रमशः 67.80 मीटर और 50.30 मीटर से ऊपर बह रही है। बुलेटिन में कहा गया है कि अररिया में परमान नदी खतरे के निशान 47 मीटर से ऊपर बह रही है, जबकि महानंदा नदी पूर्णिया और बाएसी प्रखंड में खतरे के निशान को पार कर गई है।

लाल बकेया नदी पूर्वी चंपारण जिले के ढाका में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। कोसी नदी का जलस्तर सुपौल, खगड़िया के गोगरी और कटिहार के कुर्सेला में बढ़ने के क्रम में है। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और निचले इलाकों में लोगों को संबंधित जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। उन्होंने बताया कि सभी संबंधित विभाग सतर्क हैं। जिलावार वर्षा बुलेटिन के अनुसार, छह जुलाई से अररिया, अरवल, बांका, बेगूसराय, भागलपुर, बक्सर, दरभंगा, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, जमुई, खगड़िया, किशनगंज, लखीसराय, मधुबनी, मुंगेर, नालंदा, नवादा, पटना, पूर्णिया, रोहतास, समस्तीपुर, सारण, शेखपुरा, शिवहर, सीतामढ़ी, सीवान, वैशाली और पश्चिमी चंपारण सहित कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई।

भारी बारिश के चेतावनी के कारण चारधाम यात्रा रोकी गई

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में सात और आठ जुलाई को भारी से बहुत भारी बारिश होने संबंधी मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मद्देनजर चारधाम यात्रा रविवार को अस्थायी रूप से रोक दी गई। गढ़वाल के आयुक्त विनय शंकर पांडे ने कहा कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यात्रा स्थगित करने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने कहा कि मौसम विभाग ने गढ़वाल मंडल में सात और आठ जुलाई को भारी बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है, इसके मद्देनजर सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया जाता है कि वे सात जुलाई को ऋषिकेश से आगे चारधाम यात्रा के लिए रवाना न हों।

उन्होंने कहा कि जो श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर निकल चुके हैं उन्हें मौसम ठीक होने तक उसी स्थान पर रुकना चाहिए जहां वे अभी हैं। पिछले कुछ दिन से उत्तराखंड के विभिन्न भागों में भारी बारिश के कारण पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन हो रहा है तथा बद्रीनाथ जाने वाला राजमार्ग कई स्थानों पर पहाड़ी से नीचे गिर रहे मलबे के कारण अवरुद्ध हो गया है।

चमोली जिले में शनिवार को भूस्खलन के बाद पहाड़ी से गिर रही चट्टानों की चपेट में आने से हैदराबाद के दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। दोनों मोटरसाइकिल से बद्रीनाथ से लौट रहे थे। उत्तराखंड में नदियां भी उफान पर हैं। जोशीमठ के पास विष्णु प्रयाग में अलकनंदा नदी खतरे के निशान के करीब बह रही है, अलकनंदा विष्णु प्रयाग में धौली गंगा में मिल जाती है।

केरल में चलाने से पहले हाथ में फटा देसी बम, दो लोग घायल

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के पास थुम्बा में रविवार को कई मामलों में आरोपी दो लोग तब घायल हो गये जब उनमें से एक के पास मौजूद देसी बम उसके हाथ में ही फट गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने कहा कि कई आपराधिक मामलों में आरोपी ये लोग अपने प्रतिद्वंद्वी गिरोह से जुड़े लोगों पर हमला करने के लिए देसी बमों के साथ इलाके में आए थे। पुलिस ने कहा कि एक अपराधी के हाथ में ही अचानक बम फट गए और बाद में स्थानीय लोगों ने उन्हें पुलिस को सौंप दिया।

पुलिस ने बताया कि दोनों को मामूली चोटें आई हैं और उनकी पहचान विवेक और अखिल के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है।

रथयात्रा में ममता बनर्जी ने खींची रथ की रस्सी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने के बाद इस्कॉन द्वारा आयोजित रथयात्रा में रथ की रस्सी खींची। बारिश के बावजूद हजारों लोग इस उत्सव में भाग लेने के लिए एकत्रित हुए। वे अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) से जुड़े श्रद्धालुओं के साथ 'जय जगन्नाथ' के नारे लगा रहे थे और नृत्य एवं कीर्तन कर रहे थे।

इस दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, इस शुभ दिन पर विश्व भर के आप सभी इस्कॉन भाइयों और बहनों एवं भक्तों को जय जगन्नाथ। बनर्जी ने श्रद्धालुओं और साधु-संतों के साथ रथयात्रा की शुरुआत में रथ की रस्सी झुंझुखींचने से पहले इस्कॉन मंदिर के सामने रथ पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की पूजा-अर्चना की। हर साल इस्कॉन रथयात्रा में शामिल होने वाली बनर्जी ने कहा, हम सभी धर्मों के साथ मिलजुलकर रहते हैं। जगन्नाथ देव हम सभी के लिए बहुत पवित्र हैं।

बनर्जी ने कहा कि समुद्र तटीय पर्यटन शहर दीघा में पुरी के जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर मंदिर लगभग बनकर तैयार हो गया है और इसका उद्घाटन दुर्गा पूजा के बाद किया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा, अगले वर्ष से रथयात्रा दीघा में आयोजित की जाएगी।

केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान ने की नीतीश से मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने केंद्रीय मंत्री बनने के बाद रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पहली बार मुलाकात की। पासवान ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर मुख्यमंत्री से मुलाकात की अपनी कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, केंद्रीय मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद आज पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास पर सौजन्य भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया।

हाजीपुर से सांसद पासवान ने लिखा, ''इन दिनों बिहार में निर्माणाधीन पुल गिरने की घटनाएं सामने आ रही है इसको लेकर मुख्यमंत्री के समक्ष चिंताएं व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने भी आश्वासन दिया है कि जल्द से जल्द इन विषयों को लेकर संबंधित विभागीय कार्यवाई की जाएगी।''

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सूत्रों ने कहा कि पासवान ने बुधवार को होने वाले रूपौली विधानसभा सीट के उपचुनाव में कुमार को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया है। यह उपचुनाव विधायक बीमा भारती के इस्तीफे से रिक्त हुई सीट पर हो रहा है। कुमार ने जद(यू) से कमलाधर प्रसाद मंडल को इस सीट से टिकट दिया है। पासवान रविवार दोपहर एक रैली को संबोधित करने वाले हैं, जिसमें उनके साथ केंद्रीय मंत्री एवं हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतन राम मांझी भी होंगे।

सत्संग में कुछ लोगों ने जहरीले पदार्थ के डिब्बे खोले थे, जिससे भगदड़ मची : भोले बाबा के वकील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्वयंभू बाबा भोले बाबा के वकील ए पी सिंह ने आरोप लगाया कि प्रत्यक्षदर्शियों ने उन्हें बताया कि दो जुलाई को हाथरस में हुए सत्संग के दौरान भीड़ में कुछ लोगों ने जहरीले पदार्थ से भरे डिब्बे खोले थे, जिससे भगदड़ मच गई। दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने भगदड़ के पीछे साजिश होने का भी आरोप लगाया और कहा कि यह भोले बाबा की बढ़ती लोकप्रियता के चलते रची गई।

उत्तर प्रदेश के हाथरस में स्वयंभू बाबा सूरजपाल उर्फ झुंझुनारायण साकार हरि उर्फ 'भोले बाबा' के 'सत्संग' के बाद मची भगदड़ में 121 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। सिंह ने दावा किया, प्रत्यक्षदर्शियों ने मुझसे संपर्क किया और बताया कि वहां 15-16 लोग जहरीले पदार्थ के डिब्बे लेकर आए थे, जिन्हें उन्होंने भीड़ में खोल दिया। मैंने मारे गए लोगों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट देखी है और उससे पता चला है कि उनकी मौत दम घुटने से हुई, चोटों के कारण नहीं। भगदड़ के पीछे साजिश का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, घटनास्थल पर लोगों को भागने में मदद करने के लिए वाहन खड़े थे। हमारे पास सबूत हैं और हम उन्हें पेश करेंगे। यह पहली बार है जब मैं इसके बारे में बोल रहा हूं। सिंह ने दावा किया कि उनसे संपर्क करने वाले गवाहों ने नाम न बताने का अनुरोध किया। हम उनके लिए सुरक्षा की मांग करेंगे। भगदड़ के सिलसिले में अब तक मुख्य आरोपी देवप्रकाश मधुकर समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने कहा कि वह एक राजनीतिक दल द्वारा सत्संग' के लिए संदिग्ध वित्तपोषण किए जाने की भी जांच कर रही है जिसमें सख्त संभव कार्रवाई की जा सकती है। अधिकारियों ने कहा मधुकर 'सत्संग' का मुख्य आयोजक और धन जुटाने वाला व्यक्ति था, जहां 80 हजार की अनुमत सीमा के विपरीत 2.5 लाख से अधिक लोग एकत्र हुए।

हर उस व्यक्ति से पूछताछ करेंगे जिससे बात करना आवश्यक होगा : न्यायिक आयोग ने 'भोले बाबा' पर कहा

नोएडा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार का न्यायिक आयोग हर उस व्यक्ति से बात करेगा जिससे दो जुलाई को हाथरस में मची भगदड़ के मामले की जांच के लिए बात करना आवश्यक होगा। जांच आयोग के एक सदस्य ने रविवार को यह बात तब कही जब उनसे पूछा गया कि क्या स्वयंभू भोले बाबा से पूछताछ की जाएगी। आयोग के एक अन्य सदस्य और अध्यक्ष इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने हाथरस में पत्रकारों से कहा कि न्यायिक आयोग सार्वजनिक नोटिस जारी कर स्थानीय लोगों और इस घटना के प्रत्यक्षदर्शियों से भगदड़ के संबंध में कोई सबूत साझा करने तथा अपना बयान दर्ज कराने के लिए कहेगा। श्रीवास्तव की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय दल में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी हेमंत राव और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी भावेश कुमार भी शामिल हैं। यह पूछने पर कि क्या न्यायिक आयोग स्वयंभू बाबा से भी पूछताछ करेगा, इस पर भावेश कुमार ने कहा, आयोग हर उस व्यक्ति से बात करेगा जिससे हाथरस भगदड़ मामले की जांच के लिए बात करना आवश्यक है।

बीएमडब्ल्यू कार ने दुपहिया वाहन को टक्कर मारी, एक महिला की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई के वर्ली इलाके में रविवार सुबह बीएमडब्ल्यू कार ने एक दुपहिया वाहन को टक्कर मारी दी जिससे उस पर सवार एक महिला की मौत हो गयी। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। मामले में कार चालक राजेश शाह और उसमें सवार राजश्री राजेंद्रसिंह बिदावत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और उन्हें हिरासत में लिया गया है। वर्ली थाने के एक अधिकारी ने बताया कि महिला की पहचान कावेरी नखवा (45) के तौर पर की गयी है। वह सुबह करीब साढ़े पांच बजे एनी बेसेंट रोड पर अपने पति प्रदीप के साथ दुपहिया वाहन से जा रही थीं तभी बीएमडब्ल्यू कार के चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया।

उन्होंने बताया, ''कावेरी नखवा सड़क पर गिर गयीं। आसपास से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को घटना के बारे में सूचना दी। कावेरी को सरकारी नायर हॉस्पिटल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कावेरी और उनके पति मछुआरा समुदाय से हैं और वे कोलाबा में ससून डॉक से अपने घर जा रहे थे।'' वर्ली थाने के अधिकारी ने बताया कि कार चालक राजेश शाह और उसमें सवार राजश्री राजेंद्रसिंह बिदावत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और उन्हें हिरासत में लिया गया है। इस बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि कानून सभी के लिए बराबर है और किसी को बख्शा नहीं जाएगा। यह पूछने पर कि क्या इस दुर्घटना में शामिल व्यक्ति शिवसेना के एक नेता का बेटा है, इस पर शिंदे ने कहा, कानून सभी के लिए बराबर है और सरकार हर मामले को एक ही नजरिए से देखती है। इस दुर्घटना के लिए कोई अलग नियम नहीं होगा। सब कुछ कानून के अनुसार किया जाएगा।

उन्होंने कहा, ''पुलिस किसी को नहीं बचाएगी। मुंबई में हुई दुर्घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। मैंने पुलिस विभाग से सख्त कार्रवाई करने के लिए बात की है।''

शिवसेना (यूबीटी) नेता और स्थानीय विधायक आदित्य ठाकरे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह राजेश शाह के ''राजनीतिक जुड़ाव'' पर बात नहीं करेंगे, लेकिन उम्मीद है कि सरकार किसी का बचाव नहीं करेगी।' ठाकरे ने कहा, आज वर्ली थाने गया और 'हिट एंड रन' मामले की जांच कर रहे वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की। मैं मामले के आरोपी राजेश शाह के राजनीतिक संबंधों के बारे में नहीं बात नहीं करूंगा, लेकिन मुझे उम्मीद है कि पुलिस आरोपी को पकड़ने और उसे न्याय के कठघरे में लाने के लिए तेजी से कार्रवाई करेगी। उम्मीद है कि सरकार उनके बचाव के लिए आगे नहीं आएगी।

ठाकरे ने कहा कि उन्होंने और विधान परिषद सदस्य सुनील शिंदे ने घटना में जान गंवाने वाली महिला के पति प्रदीप नखवा से मुलाकात की और आरोपियों को न्याय के दायरे में लाने के लिए हरसंभव मदद का वादा किया। यह मामला ऐसे वक्त में सामने आया है जब दो महीने से भी कम समय पहले 19 मई को पुणे के कल्याणी नगर में पोर्श कार दुर्घटना हुई थी जिसमें कथित तौर पर शराब के नशे में गाड़ी चला रहे नाबालिग ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी जिसमें दो आईटी पेशेवरों की मौत हो गयी थी। यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर तब सुर्खियों में आया जब किशोर न्याय बोर्ड ने लड़के को आसान शर्तों पर जमानत दे दी। वहीं, पुणे पुलिस ने यह खुलासा किया कि आरोपी के माता-पिता और ससून अस्पताल के डॉक्टरों ने शराब जांच को निष्प्रभावी बनाने के लिए रक्त के नमूने बदलने और दुर्घटना के संबंध में कथित तौर पर परिवार के ड्राइवर को जिम्मेदार ठहराने का प्रयास किया था।

सुविचार

तुम्हारा उदेश्य किसी दूसरे से अच्छा होना नहीं बल्कि जैसे तुम पहले थे उससे अच्छा होना, होना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वच्छता का पाठ

टी-20 विश्वकप जीतकर आई भारतीय टीम का स्वागत करने के लिए मुंबई के मरीन ड्राइव पर उमड़ी भारी भीड़ बताती है कि देशवासियों के दिलों में क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए कितना सम्मान है। कपिल देव, सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली और कई खिलाड़ी अपने खेल कौशल के कारण प्रशंसकों के लिए किसी महानायक से कम नहीं हैं। अगर टीम मैच जीतकर आए तो उसका धूमधाम से स्वागत करना चाहिए। अगर हारकर आए, तो भी स्वागत करना चाहिए, हौसला बढ़ाना चाहिए। हां, 'जोश' के साथ 'होश' रखना जरूरी है। मैच जीतने की खुशी खुद पर इस कदर हावी नहीं होनी चाहिए कि अव्यवस्था फैले या कोई हादसा हो जाए। भारतीय क्रिकेट टीम का स्वागत करने के लिए उमड़ा जनसैलाब अपने पीछे जो 'निशान' छोड़कर गया, उसे देखकर यह कहा जाए तो गलत नहीं होगा कि लोगों को सार्वजनिक स्वच्छता का महत्त्व और गंभीरता से समझाने की जरूरत है। मरीन ड्राइव पर लोग पानी की बोतलें, जूते-चप्पल और कचरे का इतना ढेर छोड़कर गए कि उसे उठाने के लिए नगर निगम को कई वाहन लगाने पड़े! आखिर क्या वजह है कि हम सार्वजनिक स्वच्छता के संबंध में इतने गंभीर नहीं हैं? सफाई रखना सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी तो नहीं है। लोग चाहते हैं कि उनके घर साफ-सुथरे हों, लेकिन सार्वजनिक स्थानों के लिए यही सोच क्यों नहीं होती, जबकि केंद्र सरकार 'स्वच्छ भारत' पर इतना जोर दे रही है? आज भी सार्वजनिक महत्त्व की कई इमारतों की दीवारें पान की पीक से रंगी हुई मिलेंगी। हर कोई चाहता है कि ट्रेनों-बसों में उनका सफर अच्छा हो, लेकिन बहुत लोग मूंगफली और केलों के छिलके यहां-वहां फेंक देते हैं। क्या वे अपने घरों में इस तरह बिखरे छिलके देखना पसंद करेंगे?

लोग शिकायत करते हैं कि भारत के कई पर्यटन स्थलों पर बहुत गंदगी होती है। यह शिकायत बेबुनियाद नहीं है। ऐसे कई स्थलों पर वास्तव में कचरे के ढेर मिल जाएंगे। वहां स्थानीय प्रशासन अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकता। उसके साथ लोगों को भी अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करनी होगी। जब भारत से कोई व्यक्ति जापान, फिनलैंड, स्वीडन, ऑस्ट्रिया, स्विट्ज़रलैंड ... जैसे देशों में जाता है तो वहां की सफाई देखकर तारीफ जरूर करता है। यूरोप के कई देश ऐसे हैं, जिनकी नदियों, झीलों, जलाशयों को देखकर हम यह सोचने को विवश हो जाते हैं कि ऐसी सफाई हमारे देश में क्यों नहीं है, जबकि हमारी संस्कृति में नदियों को माता और जल को देवता का दर्जा दिया गया है? हमें तो स्वच्छता के मानकों का पालन करने में दुनिया में सबसे आगे होना चाहिए था! आखिर हमसे कहां त्रुटि हुई? क्या उन देशों का प्रशासन सफाई रखने में अधिक सक्षम है या लोग खुद ही इतने जागरूक हैं कि वे अपने देश को साफ और सुंदर रखना चाहते हैं? इसे एक उदाहरण से समझ सकते हैं- जब लोग जापान, सिंगापुर, ब्रिटेन ... जैसे देशों के हवाईअड्डे से बाहर आ जाएं और उनके हाथों में कोई अनुपयोगी चीज/कचरा आदि हो, तो वे डस्टबिन ढूंढ़ते हैं। अगर नहीं मिलता तो किसी से पूछते हैं, लेकिन कचरा उसी में डालते हैं। वहीं, जब लोग स्वदेश (भारत) के किसी हवाईअड्डे से बाहर निकलते हैं तो स्वच्छता से यह जुड़ाव कमजोर पड़ता दिखाई देता है। कुछ लोग डस्टबिन ढूंढ़ते हैं, लेकिन ऐसे लोग भी बड़ी तादाद में हैं, जो कचरे को कहीं भी 'अधिकारपूर्वक' फेंक देते हैं। विदेश में उनका व्यवहार कुछ और होता है, स्वदेश में कुछ और होता है। अगर भारत में कोई जगह बहुत साफ-सुथरी हो और स्कूल-कॉलेज के बच्चे वहां घूमने जाएं तो घर लौटने के बाद उनमें से कई तो अपना अनुभव इस तरह सुनाते हैं – 'पता है, वह जगह इतनी साफ-सुथरी थी कि उसे देखकर लग ही नहीं रहा था कि हम इंडिया में हैं!' हमें यह सोच बदलनी होगी। स्वच्छता का पाठ सिर्फ किताबों और नारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उसे असल ज़िंदगी में उतारना होगा। इसके लिए सफाई रखने वालों को पुरस्कृत करने के साथ ही कचरा फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई जैसे कदम उठाने होंगे। स्थानीय प्रशासन को भी चाहिए कि वह सफाई रखने को प्रोत्साहित करे।

ट्वीटर टॉक

कर्नाटक अर्थव्यवस्था (कॉन्ग्रेस सरकार से):

यूँ तो तुम्हीं ने मुझे बर्बाद किया है, इल्ज़ाम किसी और के सर जाए तो अच्छा। पहले से ही बर्बाद आर्थिक स्थिति से जूझता कर्नाटक ये सब कर के बाद में BJP4India सरकार से कहेगा कि कर्नाटक इतना टैक्स देता है और मिलता केवल नौ रुपया है। नैरेटिव के युद्ध में भाजपा यह भी लड़ाई भी हारेगी।

– अजीत पंवार

बालक बुद्धि राहुल गांधी दावा कर रहे हैं की इंडी गठबंधन ने राम जन्मभूमि आंदोलन को, जिसका केंद्र अयोध्या था, हरा दिया है। आखिर राहुल गांधी को हिंदुओं से इतनी नफरत क्यों है? प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को मिटाने का दावा करने वाले पहले भी आए, परंतु सब विलीन हो गये। लेकिन भगवान राम पर आस्था रखने वाले करोड़ों श्रद्धालु आज भी हैं।

–सहजाद पूनावाला

प्रेरक प्रसंग

भगवान का अस्तित्व

एक बार एक व्यक्ति नाई की दुकान पर अपने बाल कटवाने गया। नाई और उस व्यक्ति के बीच में ऐसे ही बातें शुरू हो गई और वे लोग बातें करते-करते भगवान के विषय पर बातें करने लगे। तभी नाई ने कहा मैं भगवान (इहरसुरप) के अस्तित्व को नहीं मानता और इसीलिए तुम मुझे नास्तिक भी कह सकते हो तुम ऐसा क्यों कह रहे हो व्यक्ति ने पूछा।

नाई ने कहा, बाहर जब तुम सड़क पर जाओगे तो तुम समझ जाओगे कि भगवान का अस्तित्व नहीं है। अगर भगवान होते, तो क्या इतने सारे लोग भूखे मरते? क्या इतने सारे लोग बीमार होते? क्या दुनिया में इतनी हिंसा होती? क्या कष्ट या पीड़ा होती? मैं ऐसे निर्दयी ईश्वर की कल्पना नहीं कर सकता जो इन सब की अनुमति दे। व्यक्ति ने थोड़ा सोचा लेकिन वह वाद-विवाद नहीं करना चाहता था इसलिए चुप रहा और नाई की बातें सुनता रहा।

नाई ने अपना काम खत्म किया और वह व्यक्ति नाई को पैसे देकर दुकान से बाहर आ गया। वह जैसे ही नाई की दुकान से निकला, उसने सड़क पर एक लम्बे-घने बालों वाले एक व्यक्ति को देखा जिसकी दाढ़ी भी बढ़ी हुई थी और ऐसा लगता था शायद उसने कई महीनों तक अपने बाल नहीं कटवाए थे।

वह व्यक्ति वापस मुड़कर नाई की दुकान में दुबारा घुसा और उसने नाई से कहा, क्या तुम्हें पता है? नाइयों का अस्तित्व नहीं होता। नाई ने कहा, तुम कैसी बेकार बातें कर रहे हो? क्या तुम्हे मैं दिखाई नहीं दे रहा? मैं यहाँ हूँ और मैं एक नाई हूँ। और मैंने अभी अभी तुम्हारे बाल काटे है।

व्यक्ति ने कहा, नहीं ! नाई नहीं होते हैं। अगर होते तो क्या बाहर उस व्यक्ति के जैसे कोई भी लम्बे बाल व बढ़ी हुई दाढ़ी वाला होता?

नाई ने कहा, अगर वह व्यक्ति किसी नाई के पास बाल कटवाने जाएगा ही नहीं तो नाई कैसे उसके बाल काटेगा? व्यक्ति ने कहा, तुम बिल्कुल सही कह रहे हो, यही बात है। भगवान भी होते है लेकिन कुछ लोग भगवान पर विश्वास ही नहीं करते तो भगवान उनकी मदद कैसे करेंगे।

सामयिक

स्वास्थ्य को चौपट करने को तत्पर बढता कोलेस्ट्रॉल

ललित गर्ग

फोन नं. 9811051133

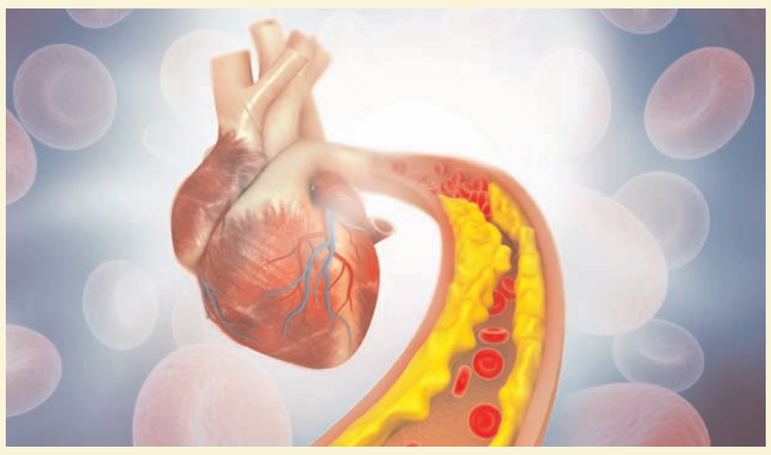

स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत का अनेक खतरों से रू-ब-रू होना चिन्ता में डाल रहा है। बढ़ती शारीरिक निष्क्रियता के साथ मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप जैसे रोग दबे पांव इंसानों को घेर कर बड़ी चुनौतियां बन रहे हैं, जिन्हें बड़े खतरों के रूप में देखा जाना चाहिए। इन्हीं बढ़ते खतरों के बीच देश में कोलेस्ट्रॉल एक नई स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभरा है। कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया की 22 सदस्यीय समिति ने अब अधिक कोलेस्ट्रॉल की वजह से होने वाले डिस्लिपिडेमिया को लेकर जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं, वे इसी मायने में महत्वपूर्ण एवं स्वास्थ्य के मोर्चे पर गंभीर हैं। शरीर का यह ऐसा विकार है, जिसका पता अक्सर खुद उसके शिकार को भी नहीं चल पाता, क्योंकि अक्सर इसके कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखाई देते। नतीजा यह होता है कि वह धीरे-धीरे हृदय रोग और गंभीर स्थितियों में हृदयाघात जैसी समस्याओं की ओर बढ़ता जाता है। बहरहाल, इस संगठन ने भारत के बारे में जो आंकड़े दिए हैं, वे डराने वाले हैं। देश की 81 फीसदी आबादी में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सुरक्षित सीमा से काफी ज्यादा मिला है, यानी चुपचाप होने वाले इस शारीरिक विकार का खतरा देश की आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से पर मंडरा रहा है। कोलेस्ट्रॉल की पहचान के लिए लोगों को लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराना चाहिए। शरीर में लिपिड का लेवल कितना हो इसके लिए भारत की अपनी पहली गाइडलाइन बनाई गई है। कोलेस्ट्रॉल का बेहतर ढंग से इलाज दिल की बीमारियों का खतरा कम कर सकता है। शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ना बेहद खतरनाक होता है। इससे कई तरह की गंभीर शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं।

आज जितनी भी नई-नई बीमारियां उभर रही है, उसका कारण असंतुलित एवं सुविधावादी जीवनशैली है। डिस्लिपिडेमिया को जीवन शैली से जुड़ी समस्या माना जाता है। कहा जाता है कि इस समस्या के मूल में आर्थिक समृद्धि के कारण लोगों की खान-पान, नशा एवं उन्मुक्त जीवनशैली है। देर रात को सोना एवं सुबह देर से उठना, ना खाने का समय, ना शरीर को तपाने की कोई पद्धति। फास्ट-फूड के आधुनिक दौर में अब हमारे भोजन में ज्यादा शर्करा, ज्यादा कार्बोहाईड्रेट और ज्यादा वसा होने के कारण यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। निश्चित ही यह यह रोग अमीर लोगों में ज्यादा देखने को मिलता है, लेकिन बड़ी समस्या यह है एक बड़ी आबादी इसकी गिरफ्त में आ गयी है। वह गरीब आबादी जो देश में आज मुफ्त अनाज पर निर्भर है। इसलिये बहुसंख्यक लोगों में इस रोग के पनपने एवं शारीरिक समस्या के लिए सिर्फ हम जीवनशैली को दोषी नहीं ठहरा सकते। यही वजह है कि भारतीय स्थितियों में इस समस्या के प्रसार के अभी और गहन एवं गंभीर अध्ययन की जरूरत है। इस बढ़ते खतरे को समय पर नियंत्रित नहीं किया गया तो भारत बीमारों का देश बन जायेगा।

भारत में डिस्लिपिडेमिया की बीमारी तेजी से फैल रही है, जो एक साइलेंट किलर की तरह है। इस बीमारी के लक्षण तो नजर नहीं आते लेकिन यह धीरे-धीरे शरीर में अपनी जड़े जमाने लगती है और हार्ट अटैक जैसी खतरनाक बीमारियों का जोखिम बढ़ा देती है। निश्चित ही कोलेस्ट्रॉल को लेकर जो खबर आई है, वह बहुत अच्छी नहीं है। हालांकि, इसके पीछे की जो पहल है, उसकी तारीफ तो की ही जानी चाहिए। पहली बार देश में कोलेस्ट्रॉल को लेकर दिशा-निर्देश जारी हुए हैं। अभी तक जब देश के डॉक्टर मरीजों के कोलेस्ट्रॉल या सरल भाषा में कहें, तो शरीर में जमा हो गई चर्बी का इलाज करते थे या लोगों को लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराने की हिदायत देते थे, तो वे यह काम यूरोपियन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी के दिशा-निर्देशों के तहत कर रहे होते थे। हार्ट अटैक को लेकर अक्सर ये कहा जाता रहा है कि डायबिटीज, हाइपरटेंशन, स्ट्रेस, तंबाकू सेवन, मद्यपान आदि के कारण हार्ट अटैक होते हैं, लेकिन इसके विपरीत भारत में हार्ट अटैक के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार जो चीज देखी गई है, वह है डिस्लिपिडेमिया यानि लिपिड प्रोफाइल जो भारत में 80 फीसदी लोगों में नॉर्मल नहीं है और न ही लोगों को इसकी जानकारी ही है। विशेषज्ञ बताते हैं कि पश्चिमी देशों के मुकाबले भारत में पिछले 10 सालों में दिल का रोग बढ़ता गया है। इसका बड़ा कारण खानपान, खराब एवं असंतुलित हुई जीवनशैली, दैनिक शारीरिक गतिविधि में आई कमी सहित दूसरे कारण है।

इस बढ़ते कोलेस्ट्रॉल को गंभीरता से लेना होगा। क्योंकि अभी भी हमारे देश में आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से तक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंच पाती हैं। बहुत सारी छोटी-छोटी मौसमी बीमारियों तक का इलाज, खासकर दूरदराज के अनेक ग्रामीण इलाकों में आज भी सहज उपलब्ध नहीं है और जहां प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच गई हैं, वहां भी शायद ही इस तरह की स्वास्थ्य-समस्या के इलाज की समुचित व्यवस्था होगी। इसलिए हमारे सामने जो चुनौती है, वह बहुत ज्यादा बड़ी है। इसी के साथ-साथ यह भी बहुत जरूरी है कि इस समस्या से बचाव के तरीकों का देश में पर्याप्त प्रचार-प्रसार हो। यह बहुत कठिन काम नहीं है। उदाहरण भी हमारे पास है। सही तरीके से प्रचार के कारण ही कोविड के दौर में बहुत बड़ी आबादी ने मास्क पहनने, सार्वजनिक दूरी बनाने, खानपान को संतुलित करने के उपक्रम शुरू कर दिए थे। कोलेस्ट्रॉल के इलाज को सर्वसुलभ बनाने के रास्ते भी हमें खोजने होंगे। हमारे देश की आधी आबादी शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं है। भारत की जनता शारीरिक रूप से सक्रियता के मामले में दुनिया में 12वें नबंर पर है। द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल के अनुसार हमारे देश में 5% फीसदी महिलाएं शारीरिक रूप से निष्क्रिय हैं। वहीं, इस सूची में पुरुष तकरीबन 42 फीसदी है।

दुनिया की बड़ी चिन्ताओं में स्वास्थ्य प्रमुख है। सभी देशों में स्वास्थ्य की स्थिति सोचनीय एवं परेशान करने वाली है। वैज्ञानिक प्रगति, औद्योगिक क्रांति, बढ़ती आबादी, शहरीकरण तथा आधुनिक जीवन के तनावपूर्ण वातावरण के कारण शारीरिक एवं मानसिक रोगों में भारी वृद्धि हुई है। यह किसी एक राष्ट्र के लिये नहीं, समूची दुनिया के लिये चिन्ता का विषय है। अस्वास्थ्य वर्तमान युग की एक व्यापक समस्या है। चारों ओर बीमारियों का दुर्भेध घेरा है। निरन्तर बढ़ती हुई बीमारियों को रोकने के लिये नई-नई चिकित्सा पद्धतियां असफल हो रही है। जैसे-जैसे विज्ञान रोग-प्रतिरोधक औषधियों का निर्माण करता है, वैसे-वैसे बीमारियां नये रूप, नये नाम और नये परिवेश में प्रस्तुत हो रही है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक स्वास्थ्य का मतलब सिर्फ स्वस्थ खाना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि कैसे दुनिया एक साथ आकर सभी को लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में मदद कर सकती है।

भारत की चिकित्सा स्थितियां एवं सेवाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जहां सुधर रही हैं, वहीं स्वास्थ्य-स्थितियां नई-नई चुनौतियां लेकर खड़ी हो जाती है। इसलिये चिकित्सा-स्थितियों के साथ-साथ स्वास्थ्य-स्थितियों में सुधार की तीव्रता से अपेक्षा है। भारत में स्वास्थ्य-क्रांति का शंखनाद हो, यह व्यक्तियों को स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करें, सरकारों को स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे और संसाधनों में निवेश करने के लिए प्रेरित करें और स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों को उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में लगातार सुधार करने के लिए प्रेरित करे। बीमारियों पर नियंत्रण के लिये योग एवं साधना, संतुलित आहार एवं संयमित जीवनशैली को भी प्रोत्साहित किया जाये। जितनी भी मानसिक और कायिक बीमारियां या विकृतियां उत्पन्न होती है, वे इस बात की गवाह है कि किसी एक ने रोड क्रोसिंग' पर खड़े ट्रेफिक पुलिस' के निर्देशों की उपेक्षा कर ओवर टेकिंग' की कोशिश की है। सारी दुनिया में बढ़ते हुए मनोरोग एवं हृदयरोग इसी आंतरिक अव्यवस्था का परिणाम है। अन्य असाध्य बीमारियों का कारण भी असंतुलित जीवनशैली है। इसलिये अच्छे स्वास्थ्य के लिये मानसिक स्वास्थ्य एवं भावनात्मक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बरतना नितान्त अनिवार्य है।

नजरिया

मध्यम वर्ग को बजट से ढेर सारी उम्मीदें

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

मोदी सरकार का चालू वित्तीय वर्ष का सालाना बजट 23 जुलाई को लोकसभा में प्रस्तुत होगा। इस बजट पर पूरे देश की निगाह है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 22 जुलाई से बजट सेशन आयोजित करने की मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बजट पेश करेंगी। नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के इस पहले बजट से पूरे देश को अनगिनत उम्मीदें हैं। क्योंकि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने संयुक्त संबोधन में कहा था कि इस बार बजट में कई ऐतिहासिक कदम देखने को मिलेंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक नया इतिहास रचने जा रही हैं। वह मोरारजी देसाई का रिकॉर्ड तोड़ते हुए भारत में सबसे ज़्यादा बजट पेश करने वाली पहली वित्त मंत्री बन जाएंगी। सीतारमण ने 2019 से वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाला है। तब से वह छह केंद्रीय बजट पेश कर चुकी हैं। 2024 का बजट उनका सातवां बजट होगा, जो किसी भी वित्त मंत्री द्वारा पेश किया गया सबसे बड़ा बजट होगा।

देश के मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा लोगों को बजट से ढेर सारी उम्मीदें है। जिसमें टैक्स छूट से लेकर रोजगार का तोहफा मिल सकता है। इनमें कितनी पूरी होगी यह तो बजट से ही पत्ता चलेगा। मुठी खाली रहेगी या भरी इसका पत्ता भी चल जायेगा। विश्लेषकों को उम्मीद है कि सरकार मानक कटौती को बढ़ाकर एक लाख रुपये करके आयकर व्यवस्था में कर राहत भी प्रदान कर सकती है। मीडिया सूत्रों के मुताबिक केंद्र सरकार नौकरीपेशा लोगों को स्टैंडर्ड डिडक्शन में छूट का ऐलान कर सकती है। फिलहाल न्यू टैक्स रिजीम के तहत 50 हजार रुपये का स्टैंडर्ड डिडक्शन मिलता है। ऐसा माना जा रहा है कि इस बजट में इसे बढ़ाकर 1 लाख रुपये किया जा सकता है। इसके अलावा होम लोन लेने वालों को भी इनकम टैक्स एक्ट के तहत और ज्यादा राहत दी जा सकती है। लंबे समय से इनकम टैक्स में कोई राहत नहीं मिली है। इंटरिम बजट में भी इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ था। पुरानी टैक्स रिजीम पर 2.5 लाख रुपए तक की कमाई ही टैक्स फ्री है। हालांकि सेक्शन 87- के तहत 5 लाख तक की इनकम पर टैक्स बच सकता है। नई टैक्स रिजीम पर भी पहले की तरह 3 लाख रुपए तक की कमाई टैक्स फ्री है। इसमें भी 87- के तहत नौकरीपेशा लोग 7.5 लाख रुपए तक और बाकी 7 लाख तक की कमाई पर छूट ले सकते हैं। माना जा रहा है कि इस बार टैक्स स्लैब में कुछ छूट मिल सकती है। तीसरी बार सरकार बनने के बाद इस बजट में मोदी सरकार का फोकस, कृषि क्षेत्र, रोजगार, पूंजीगत व्यय की गति को बनाए रखने और राजस्व वृद्धि को बढ़ाने पर होगा। इसके अलावा, जीएसटी को सरल बनाना और टैक्स अनुपालन से जुड़े बोझ को कम करना भी सरकार के एजेंडे में शीर्ष पर रहने की उम्मीद है।

देश की सबसे बड़ी जनसंख्या मध्यम वर्ग जो महंगाई के बोझ से सबसे ज्यादा परेशान है, उसे उम्मीद है कि बजट में उनके लिए राहत का ऐलान होगा। लोकसभा चुनाव में भाजपा को अपेक्षित सफलता हासिल नहीं होने के पीछे अनेक कारणों में से एक कारण मध्यम वर्ग की उपेक्षा का भी बताया जा रहा है। यह वर्ग भाजपा का कोर वोटर है जिन्हें इस बजट से ढेर सारी आशाएं है। ये पूरी होती है या नहीं इस पर सारा दारोमदार है। महंगाई और बेरोजगारी का सबसे अधिक सामना इसी वर्ग को करना पड़ता है। मध्यम वर्ग देश की अर्थव्यवस्था में बड़ी भूमिका निभाता है। मगर जहां इस वर्ग को सुविधा देने की बात होती है वहां सरकार अपने कदम पीछे कर लेती है। किसानों को आर्थिक सहायता हर माह दी जा रही है मगर मध्यम वर्ग को वंचित किया जाता है। किसानों ने सहायता के बावजूद सरकार का साथ नहीं दिया। आयकर में छूट का मामला हो या कोरोना काल में डीए रोकने की बात हो हर जगह मध्यम वर्ग ही प्रताड़ित होता है। मध्यम वर्ग सही मायने में यह देश की रीढ़ है। दुनिया में भारत की विकास दर सबसे तेज गति से बढ़ रही है। एक सर्वे में दावा किया गया है कि देश का मध्यम वर्ग इस आर्थिक विकास को तेज रफ्तार देने का काम कर रहा है।

रेटिंग एजेंसी आईसीआरए का अनुमान है कि केंद्र सरकार की राजस्व प्राप्तियों में अंतरिम बजट अनुमान की तुलना में 2024-25 के आगामी संशोधित बजट में 1.2 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो सकती है।

विचार

ब्रिटेन में लेबर पार्टी की जीत के नेपथ्य में भारत-वंशी

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

ब्रिटेन में लेबर पार्टी ने 650 सीटों में 326 सीटें लाकर जबरदस्त विजयश्री प्राप्त की है। ऋषि सुनक की कंजरवेटिव पार्टी केवल 118 सीटें ही प्राप्त कर सकी थी। कंजरवेटिव पार्टी और ऋषि सुनक की हार के कई कारण वहां के राजनीतिक विश्लेषक गिनवाते हैं पहला कारण जो सबसे बड़ा है वह है एंटी इनकंबेंसी मतलब सत्ता के विरोध में आम जन् की नापसंदगी, 14 साल से कंजरवेटिव पार्टी ब्रिटेन में सत्ता में काबिज थी और ब्रिटेन की जनता अब बदलाव चाहती थी। हालांकि प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बतौर वित्त मंत्री रहते हुए वहां का आर्थिक तंत्र मजबूत करने की कोशिश की इसके अलावा ऋषि सुनक ने बतौर वित्त मंत्री कोरोना कल में आम जनता की बहुत मदद की थी।दूसरा कारण ब्रिटेन की बेरोजगारी एवं आर्थिक अस्थिरता रही है कंजरवेटिव पार्टी के सत्ता में रहते रहते ब्रिटेन की मुद्रा स्फीति बहुत कमजोर हो गई थी बेरोजगारी चरम सीमा पर पहुंच गई और बैलेंस आफ ट्रेड भी गड़बड़ा गया था। तीसरा बड़ा कारण ऋषि सुनक का भारतवंशी एवं बहुत अधिक धनवान होना भी था बताया जाता है कि सुनक की संपत्ति किंग चार्ल्स से भी ज्यादा आँकी गई है।

ऋषि सुनक की गिनती आम आदमियों में नहीं होती है अतः वहां की जनता इस कारण भी ऋषि सनक की पॉलिसीस से और असहमत होती गई। चौथा और सबसे बड़ा कारण कंजरवेटिव पार्टी में अंदरुनी झगड़ा अपने चरम पर पहुंच गया था और यही कारण है कि आखिरी कार्यकाल में कई प्रधानमंत्री बदल दिए गए, इसके अलावा लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ने कश्मीर में 370 लागू करने को देश का अंदरूनी मामला बता कर भारतवंशियों को अपने पक्ष में कर लिया था।

उल्लेखनीय की भारतवंशियों की संख्या ब्रिटेन में काफी ज्यादा एवं प्रभावशाली है ऐसे में भारतवंशियों का समर्थन लेबर पार्टी को मिलने से लेबर पार्टी की एक तरफ़ा जीत हुई है। लेबर पार्टी ने कश्मीर मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए भारतवंशियों को अपने पक्ष में साधने का काम पिछले दो वर्षों से लगातार किया जा रहा था और नतीजा लेबर पार्टी के पक्ष में काफी सुखद रहा। यह अलग मुद्दा है कि स्टोर्मर पहले अपने नेता जेरेम कार्बिन नेतृत्व में 370 हटाने के विरोध में अंतर्राष्ट्रीय प्रस्ताव का समर्थन किया था पर बाद में लेबर पार्टी ने इस मुद्दे को हटाकर कश्मीर में धारा 370 लागू करने को भारत का अंदरूनी मामला बात कर खारिज कर दिया।

अपनी जीत के प्रति आशावान लेबर पार्टी के नेता इस बात पर जोर दे रहे थे कि पार्टी की सत्ता में आते ही ब्रिटेन में एक नवीनीकरण युग का सूत्रपात किया जाएगा और सत्ता में आते ही इसकी शुरुआत कर दी जाएगी। ऋषि सुनक में अपनी हर को स्वीकार करते हुए संपूर्ण जिम्मेदारी लेते हुए प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है एवं उन्होंने उत्तरी इंग्लैंड से अपनी सीट जीतकर सेवा जारी रखने का संकल्प भी लिया है। मानवाधिकार अधिवक्ता कीर स्टोर्मर ऑक्सफोर्ड से शिक्षित हैं एवं ऋषि सुनक के जस्ट विपरीत एक नास्तिक अईश्वर वादी व्यक्ति हैं इनके पिता वामपंथी विचारों के थे पर अब इस बात पर यह निर्भर करता है कि स्टार्मर के प्रशासन में वामपंथ को कितनी तवज्जो मिलती है। स्टोर्मर पहली बार 1915 में लेबर पार्टी से सांसद चुने गए थे।

एजेंसियों के अनुसार स्टार्मर भारत के साथ नए एवं ताजा संबंधों के पक्षधर बताए जाते हैं वह भारत के साथ मुक्त व्यापार करने की हिमायती दिखाई देते हैं इसके अलावा भारत के साथ मजबूत संबंध रखकर शिक्षा, सुरक्षा और प्रौद्योगिकी में भी भारत के साथ साझेदारी करने के इच्छुक हैं। यह अलग मुद्दा है कि भारत के साथ संबंधों के सुधार की आवश्यकता को उन्होंने अपने चुनावी घोषणा पत्र में भी उल्लेखित किया था वह अपने लेबर पार्टी के नेता जेरेम कार्बिन के विचारों के विपरीत विचारधारा के माने जाते हैं भारत के साथ संबंध एवं कश्मीर में 370 लागू करने के विरोध में ना जाकर भारत सरकार का साथ देने के पक्ष में उन्होंने अपना मंतव्य रखा था। स्टोर्मर ने चुनाव के पहले ब्रिटेन के कई मंदिरों में जाकर भारतवंशियों के साथ नफरत को खत्म करने का प्रयास किया था उन्होंने स्पष्ट कहा था कि भारतीयों के साथ हिकारत की कोई जगह उनके व्यक्तित्व में नहीं है। उन्होंने इस धर्मनिरपेक्ष वक्तव्य को हिंदू समुदाय के मध्य दिवाली तथा होली में भी प्रचारित प्रसारित किया था जिसके चलते हिंदू समर्थक उनके प्रचार के नेपथ्य में आकर खड़े हो गए थे और हिंदू कम्युनिटी के समर्थन से ही लेबर पार्टी ने इतनी बड़ी विजय श्री प्राप्त की है। स्टार्मर ने अपनी नीति में स्पष्ट कहा है कि अमेरिका के साथ अच्छे संबंध को बनाने का प्रयास कर चीन से व्यापारिक तथा रणनीतिक दूरी बनाए रखने का प्रयास करेंगे।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वह कहते थे- मैं सीने पर गोली खाकर मरूंगा: कैप्टन अंशुमन सिंह की पत्नी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। असाधारण बहादुरी के लिए मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित किए गए सेना चिकित्सा कोर के कैप्टन अंशुमन सिंह की पत्नी स्मृति ने अपने पति को याद करते हुए कहा कि वह अक्सर कहा करते थे कि मैं साधारण मौत नहीं मरूंगा। मैं सीने पर गोली खाकर मरूंगा। कैप्टन सिंह को जब कीर्ति चक्र से शुक्रवार को सम्मानित किया गया तो यह उनके परिवार के लिए उनकी वीरता पर गर्व करने का क्षण था और पुरस्कार ग्रहण करते समय उनकी पत्नी और मां के चेहरे पर दुख एवं गर्व का मिलाजुला भाव दिखाई दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को रक्षा अलंकरण समारोह में दिवंगत अधिकारी की पत्नी और मां मंजू सिंह को कैप्टन अंशुमन सिंह की शहादत पर कीर्ति चक्र प्रदान किया। यह शांतिकाल में वीरता के लिए दिया जाने वाला दूसरा सबसे बड़ा पुरस्कार है।

रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर स्मृति का एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने पति को याद करते हुए बताया कि वे दोनों कैसे एक-दूसरे के हमसफर बने थे। कैप्टन सिंह की पत्नी ने कहा, वह बहुत काबिल थे। वह मुझसे कहा करते थे,मैं सीने पर गोली खाकर मरूंगा। मैं ऐसी साधारण मौत नहीं मरूंगा जिसके बारे में किसी को पता ही न चले। कैप्टन सिंह की शहादत की कहानी भी आम नहीं है। कैप्टन सिंह पिछले वर्ष जुलाई में भीषण आग से लोगों को बचाते समय शहीद हो गये थे।

राष्ट्रपति भवन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा कर कहा,

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सेना चिकित्सा कोर, 26वीं बटालियन पंजाब रेजिमेंट के कैप्टन अंशुमन सिंह को मरणोपरांत कीर्ति चक्र प्रदान किया। अपनी सुरक्षा की परवाह किए बगैर उन्होंने आग लगने की एक बड़ी घटना में कई लोगों को बचाने के लिए असाधारण बहादुरी का परिचय दिया। राष्ट्रपति भवन ने कैप्टन सिंह की पत्नी द्वारा कीर्ति चक्र स्वीकार करते हुए एक तस्वीर भी साझा की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पांच जुलाई को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह में सेना और अर्धसैनिक बलों के जवानों को 10 कीर्ति चक्र प्रदान किए जिनमें से सात पदक मरणोपरांत दिए गए। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा 'एक्स' पर पोस्ट किया गया वीडियो विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। वीडियो में गमगीन नजर आ रहीं स्मृति ने अपने पति को याद करते हुए बताया कि कैप्टन अंशुमन और उनके बीच पहली नजर में प्यार'' हुआ और फिर आठ साल तक 'लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप' में रहने के बाद उन्होंने शादी की।

स्मृति ने सिंह के साथ बिताए हुए प्यारे पलों को याद करते हुए कहा, ''हम इंजीनियरिंग कॉलेज के पहले दिन मिले थे। एक तरह से यह पहली नजर का प्यार था। एक महीने बाद अंशुमन का सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज में चयन हो गया। वह बहुत मेधावी थे। सिर्फ एक महीने की मुलाकात के बाद हम आठ साल 'लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप' में रहे।'' स्मृति ने कहा, फिर हमने शादी करने का फैसला किया लेकिन विवाह के दो महीने के भीतर ही उनकी तैनाती सियाचिन में हो गई। मैंने अंशुमन से 18 जुलाई को बहुत देर तक फोन पर बात की। इस दौरान हमने अगले 50 साल की योजना, अपना एक घर बनाने, बच्चों को जन्म देने और भी बहुत सारी बातें कीं, लेकिन अगले दिन जब मैं सो कर उठी तो मुझे फोन आया कि वह अब नहीं रहे।'' उन्होंने कहा कि वह आज तक इस गम से उबर नहीं पाई हैं।

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक का आकलन इतिहास उदारता से करेगा

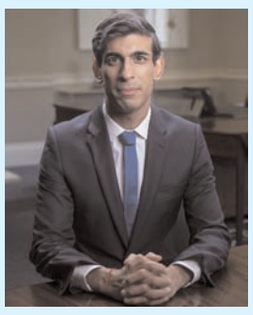

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। ऋषि सुनक ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री के रूप में अपनी विदाई की बेला पर 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर लोगों को संबोधित करते हुए कहा, मैंने प्रधानमंत्री के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। संभवत: वह इसी रूप में इतिहास में दर्ज किये जाएंगे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का आधिकारिक आवास और कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बनने वाले भारतीय मूल के प्रथम व्यक्ति, प्रथम हिंदू नेता और प्रथम गैर-श्वेत व्यक्ति सुनक (44 वर्ष) के नेतृत्व में कंजर्वेटिव पार्टी ने अपने इतिहास में सबसे खराब चुनावी प्रदर्शन किया, लेकिन इसके बावजूद सुनक अपने पीछे एक विरासत छोड़ गए हैं।

उनके ये शब्द कि, आधुनिक ब्रिटेन के बारे में सबसे उल्लेखनीय चीजों में से एक यह है कि शीर्ष पद के लिहाज से उनकी प्रवासी जड़ें कितनी गौण' थीं, और यह बात न केवल 18 लाख भारतीय प्रवासियों बल्कि बहुत से अन्य लोगों को याद रहेगी।

ब्रिटिश फ्यूचर थिंक टैंक के निदेशक सुंदर कटवाला कहते हैं कि उन्हें लगता है कि इतिहास ऋषि सुनक के आकलन के प्रति अपेक्षाकृत उदार रहेगा। टोरी सरकार के 12 वर्षों के बाद अक्टूबर 2022 में पदभार संभालने पर सुनक को विरासत में मिली उथल-पुथल पर विचार करते हुए कटवाल ने यह बात कही। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सुनक को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जाएगा जिसने बहुत ही कठिन आर्थिक, भू-राजनीतिक परिस्थितियों में चीजों को नियंत्रण में रखने के लिए कड़ी मेहनत की। और जो वास्तव में उनके पास नहीं था वह एक राजनीतिक नुस्खा था जिसके लिए जादू की छड़ी की आवश्यकता हो सकती थी, लेकिन उन्होंने कुछ हफ्तों के भीतर दो प्रधानमंत्रियों को खोने वाली सरकार की एक बहुत ही अराजक अवधि के बाद देश को एक बेहतर स्थिति में ला दिया। शेयर बाजार से जुड़े व्यवसायी और सहकर्मी लॉर्ड करण बिलिमोरिया ने कहा, मैं ऋषि को सचमुच एक दशक से जानता हूं, और मैं उन्हें और उनकी पत्नी अक्षता को बहुत पसंद करता हूं। वे शानदार लोग हैं, सभ्य लोग हैं। वह बहुत प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं, बहुत सक्षम व्यक्ति हैं। यह बहुत दुखद है कि हमारे पास शीर्ष पद पर एक भारतीय के होने की यह ऐतिहासिक उपलब्धि है।

अलास्का के सबसे भारी हिमनद एक खतरनाक बिंदु के करीब पहुंच रहे हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूकैसल अपॉन टाइन/द कन्वरसेशन। उत्तरी अमेरिका के सबसे बड़े 'हिमनदों के समूह' में से एक के पिघलने की प्रक्रिया तेज हो गई है और यह जल्द ही एक ऐसे बिंदु पर पहुंच सकती है जहां से नुकसान की भरपाई करना असंभव होगा। यह निष्कर्ष मेरे और मेरे नए शोध सहयोगियों ने अलास्का की राजधानी जूनो के पास अलास्का-कनाडा सीमा पर फैले हुए जूनो हिमक्षेत्र पर प्रकाशित किया है। वर्ष 2022 की गर्मियों में मैंने अन्य शोधकर्ताओं के साथ तपती धूप में बर्फ के समतल, चिकने और सफेद पठार पर स्कीइंग की। उस पठार से एक दूसरे से जुड़े हुए लगभग 40 विशाल हिमनद समुद्र की ओर हैं और इसके चारों ओर पर्वत चोटियों पर सैकड़ों छोटे हिमनद हैं।

हमारा काम अब नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित हुआ है। इसने दिखाया है कि जूनो जलवायु परिवर्तन फीडबैक का एक उदाहरण है: जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, गर्मियों में बहुत कम बर्फ बची रहती है। इसके परिणामस्वरूप बर्फ धूप और अधिक तापमान के संपर्क में आती है जिसका अर्थ अधिक बर्फ पिघलना, कम बर्फ गिरना इत्यादि है। यही अब हो रहा है और हर गर्मियों में ग्लेशियर पहले की तुलना में बहुत तेजी से पिघल रहे हैं जिससे बर्फ का क्षेत्र पतला होता जा रहा है और पठार नीचे होता जा रहा है। एक सीमा पार हो जाने के बाद ये प्रतिक्रियाएं पिघलने में तेजी ला सकती हैं और बर्फ का लगातार नुकसान हो सकता है जो तब भी जारी रहेगा जब दुनिया में गर्मी कम हो जाएगी। बर्फ पहले से कहीं अधिक तेजी से पिघल रही है। सैटेलाइट तस्वीरें और चट्टानों के पुराने ढेर का उपयोग करके हम पिछले लिटिल आइस एज (लगभग 250 साल पहले) के अंत से लेकर आज तक जूनो आइसफील्ड में बर्फ के नुकसान को मापने में सक्षम थे। हमने देखा कि लगभग 1770 में उस ठंडे दौर के खत्म होने के बाद ग्लेशियर सिकुड़ने लगे। यह बर्फ का नुकसान लगभग 1979 तक स्थिर रहा फिर इसमें तेजी आई। 2010 में यह फिर से तेज हो गया और पिछली दर से दोगुना हो गया। 1979 से 1990 की तुलना में 2015 और 2019 के बीच ग्लेशियर पांच गुना तेजी से पिघले।

हमारे डेटा से पता चलता है कि जैसे-जैसे बर्फ कम होती जाती है और गर्मियों में इसके पिघलने का समय लंबा होता जाता है बर्फ का क्षेत्र काला होता जाता है। गर्मियों की 'स्नोलाइन' का अंत बढ़ रहा है और अब यह

अक्सर जूनो आइसफील्ड के पठार पर हो रहा है जिसका मतलब है कि पुरानी बर्फ और ग्लेशियर की बर्फ सूरज के संपर्क में आ रही है। ये थोड़ी गहरी सतहें ज़्यादा ऊर्जा सोखती हैं जिससे बर्फ और अधिक तेजी से पिघलती है।

जैसे-जैसे 'आइसफील्ड' का पठार पतला होता जाता है वैसे-वैसे अधिक ऊंचाई पर बर्फ खत्म होती जाती है और पठार की सतह कम होती जाती है। इससे 'आइसफील्ड' का स्थिर होना या फिर ठीक होना मुश्किल होता जाएगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि कम ऊंचाई पर गर्म हवा के कारण बर्फ पिघलती है जिससे एक अपरिवर्तनीय 'टिपिंग पॉइंट' (वह महत्वपूर्ण सीमा जिसके पार एक प्राकृतिक प्रणाली पूरी तरह अलग स्थिति में पहुंच सकती है) बनता है। हिमनद किस तरह व्यवहार करते हैं और अलग-अलग हिमनद में कौन-सी प्रक्रियाएं और टिपिंग पॉइंट्स मौजूद हैं यह समझने के लिए इस तरह के दीर्घकालिक डेटा बहुत महत्वपूर्ण हैं। इन जटिल प्रक्रियाओं के कारण यह अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता है कि भविष्य में ग्लेशियर किस तरह व्यवहार करेंगे।

दुनिया की सबसे कठिन पहेली

हिमनद कितना बड़ा था और उसका व्यवहार कैसा था यह जानने के लिए हमने सैटेलाइट रिकॉर्ड का इस्तेमाल किया, लेकिन इससे वास्तव में 50 वर्षों तक की ही जानकारी मिल पाती है। और अधिक पीछे जाने के लिए हमें अलग-अलग तरीकों की जरूरत है। 250 साल पीछे जाने के लिए हमने 'मोरेन रिज' का नक्शा बनाया जो हिमनद के आगे के नुकीले भाग पर जमा मलबे के बड़े ढेर हैं और ऐसे स्थान जहां हिमनदों से नीचे की चट्टान साफ और चमकीली हुई है। अपने मानचित्र की जांच करने और उसे बेहतर बनाने के लिए हमने दो सप्ताह बर्फ के मैदान पर और दो सप्ताह नीचे वर्षावन में बिताए। हमने 'मोरेन रिज' की चोटियों के बीच डेरा डाला, अपने भोजन को भालुओं से सुरक्षित रखने के लिए हवा में ऊंचे स्थान पर लटकाया, वर्षावन में झाड़ियों को काटते हुए अमेरिकी हिरण और भालुओं को चेतावनी देने के लिए चिल्लाए और हमारे खून के प्यासे मच्छरों से जूझते रहे।

यह सब दुनिया की सबसे कठिन पहेली को सुलझाने जैसा था। इस तरह का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि विश्व के हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं। कुल मिलाकर वे वर्तमान में ग्रीनलैंड या अंटार्कटिक बर्फ की चादरों की तुलना में अधिक द्रव्यमान खो रहे हैं तथा पिछले दो दशकों में दुनिया भर में इन हिमनदों के पिघलने की दर दोगुनी हो गई है। हमारी लंबी समय श्रृंखला से पता चलता है कि यह कितनी तेजी से बढ़ता जा रहा है।

जस्टिन बीबर ने अनंत-राधिका के संगीत समारोह की कई अनदेखी तस्वीरें और वीडियो साझा किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मशहूर अंतरराष्ट्रीय पॉप गायक जस्टिन बीबर ने जाने-माने उद्योगपति एवं अरबपति मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी और उनकी मंगेतर राधिका मर्चेंट के संगीत समारोह की कई अनदेखी तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं।

जस्टिन बीबर शुक्रवार सुबह लॉस एंजिलिस से मुंबई पहुंचे। उन्होंने रात में जियो कन्वेंशन सेंटर में आयोजित अनंत-राधिका के संगीत समारोह में अपने प्रसिद्ध गानों बेबी', सॉरी', लव योर सेल्फ' और 'पीचेस' से धूम मचा दी। बीबर (30) अपनी खास प्रस्तुति देने के बाद मियामी रवाना हो गए थे। उन्होंने शनिवार रात इंस्टाग्राम पर अपनी प्रस्तुति की कई तस्वीरें और वीडियो साझा किए। बीबर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर संगीत समारोह के दौरान दी शानदार प्रस्तुति और उनके साथ गाना गाते हुए लोगों की झलकियां साझा कीं।

इंस्टाग्राम पर साझा की गई तस्वीरों में बीबर अनंत और राधिका के साथ मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। एक अन्य तस्वीर में वह अंबानी परिवार के अन्य सदस्यों अनंत अंबानी, श्लोका अंबानी, ईशा अंबानी और आनंद पीरामल के साथ मौज-मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं। अभिनेता जावेद जाफरी की बेटी अलाविया जाफरी ने भी संगीत समारोह का एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह बीबर को प्रस्तुति के दौरान गले लगाती नजर आ रही हैं। जस्टिन बीबर को दो बार ग्रैमी पुरुस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

बजट में कर रियायतें, प्रभावी आईपीआर व्यवस्था चाहता है फार्मा उद्योग

नई दिल्ली/भाषा। घरेलू फार्मास्युटिकल उद्योग चाहता है कि सरकार आगामी बजट में क्षेत्र में शोध एवं विकास (आरएंडडी) को बढ़ावा देने के लिए कॉरपोरेट कर में रियायत दे और एक प्रभावी बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) व्यवस्था स्थापित करने के लिए कदम उठाए। इससे देश में फार्मा उद्योग की वृद्धि को प्रोत्साहन मिलेगा। ऑर्गेनाइजेशन ऑफ फार्मास्युटिकल प्रोड्यूसर्स ऑफ इंडिया (ओपीपीआई) के महानिदेशक अनिल मताई बजट को लेकर उद्योग की मांग रखते हुए कहा कि सरकार शोध एवं विकास को बढ़ावा देने के कदम उठाए। इसके लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों को शोध एवं विकास से संबंद्ध प्रोत्साहन दिए जाएं और क्षेत्र को कॉरपोरेट कर में रियायतें प्रदान की जाएं। मताई ने कहा, ऊंचे जोखिम की वजह से हमारा सुझाव है कि आयकर कानून, 1961 की धारा 115बीएबी का दायरा ऐसी कंपनियों तक बढ़ाया जाए, जो सिर्फ फार्मा शोध एवं विकास में लगी हैं। ऐसी कंपनियों को शोध एवं विकास खर्च पर 200 प्रतिशत की कटौती दी जाए।''

रूस में मार गिराये गए यूक्रेन के ड्रोन के मलबे से गोदाम में लगी आग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। पश्चिमी रूस के सीमावर्ती क्षेत्र के एक गांव को रविवार को खाली करा लिया गया, क्योंकि वहां मार गिराये गए एक यूक्रेनी ड्रोन के मलबे से पास के गोदाम में आग लगने से विस्फोट हो रहे थे। यह जानकारी स्थानीय अधिकारियों ने ने दी। सोशल मीडिया फुटेज में वोरोनिश क्षेत्र में काले धुएं का गुबार उठता दिखायी दे रहा था, जबकि लगातार जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी गई।

गवर्नर अलेक्जेंडर गुसेव ने कहा कि गिरते मलबे के कारण विस्फोटक वस्तुओं में विस्फोट हुआ। उन्होंने कहा कि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन पोडगोरेंस्की जिले के एक नजदीकी गांव के निवासियों को निकाला गया है। आपातकालीन सेवाओं, सैन्य और सरकारी अधिकारियों के घटनास्थल पर काम करने के कारण सड़कें भी बंद कर दी गई हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने सुबह की प्रेस वार्ता में हमले के बारे में कुछ नहीं कहा, लेकिन कहा कि वायु रक्षा प्रणालियों ने बेलगराद क्षेत्र में एक यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया है। रूस के क्रास्नोदार प्रांत के अधिकारियों ने कहा ड्रोन के मलबे के गिरने से एक तेल डिपो में आग लग गई थी। रूस की आपातकालीन सेवाओं ने कहा कि रविवार सुबह आग बुझा दी गई। यह हमला ऐसे समय में किया गया है जब यूक्रेन के सैन्य प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को बताया था कि कीव के सैनिक यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहर चासिव यार के बाहरी इलाके से पीछे हट गए हैं, जो एक महीने तक चले रूसी हमले के कारण मलबे में तब्दील हो गया है।

रोहित की कप्तानी में चैंपियन्स ट्रॉफी और डब्ल्यूटीसी फाइनल दोनों जीतने की उम्मीद : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने रविवार को कहा कि टी20 विश्व चैंपियन टीम के कप्तान रोहित शर्मा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट भारत की अगुआई जारी रखेंगे। उन्होंने साथ ही भरोसा जताया कि भारत उनकी कप्तानी में अगले साल होने वाली चैंपियन्स ट्रॉफी और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) जीतेगा। कपिल देव और महेंद्र सिंह धोनी के बाद आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बने रोहित ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। शाह ने एक वीडियो संदेश में कहा, अगला चरण डब्ल्यूटीसी फाइनल और चैंपियन्स ट्रॉफी है। मुझे रोहित शर्मा की कप्तानी पर पूरा भरोसा है कि हम इन दोनों टूर्नामेंट में चैंपियन बनेंगे। अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियन्स ट्रॉफी का आयोजन आठ साल बाद (ब्रिटेन में 2017 के बाद से) किया जाएगा। इस टूर्नामेंट के कार्यक्रम का मसौदा आईसीसी को सौंपा जा चुका है लेकिन बीसीसीआई ने अब तक इसे हरी झंडी नहीं दी है। समझा जा रहा है कि बीसीसीआई 2023 एकदिवसीय एशिया कप की तरह 'हाईब्रिड मॉडल' लागू करने पर जोर देगा। इस मॉडल के तहत भारत ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले सहित अपने सभी मै श्रीलंका में खेले थे।

शाह के इस संदेश ने इन अटकलों पर

विराम लग गया है कि क्या रोहित अन्य प्रारूपों में कप्तान की भूमिका छोड़ेंगे? रोहित जब तक कप्तानी नहीं छोड़ते तब तक भारत को एक बार फिर अलग-अलग प्रारूपों में दो कप्तान देखने को मिलेंगे। रोहित एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट में अगुआई करते रहेंगे जबकि हार्दिक पंड्या के टी20 प्रारूप में कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने की उम्मीद है। रोहित की अगुआई में भारत ने पिछले साल डब्ल्यूटीसी और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप के फाइनल में भी जगह बनाई थी। भारत लगातार 10 मैच जीतने के बाद एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गया था। शाह ने टी20 विश्व कप में भारत की जीत को खिताब हासिल करने के बाद संन्यास लेने वाले तीन क्रिकेटरों और निवर्तमान कोच राहुल द्रविड़ को समर्पित किया। उन्होंने कहा, मैं इस जीत को कोच राहुल द्रविड़, कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा को समर्पित करना चाहता हूं।

बीसीसीआई सचिव ने कहा, यह पिछले एक साल में हमारा तीसरा फाइनल था। हम जून 2023 में डब्ल्यूटीसी फाइनल में हारे। नवंबर 2023 में हमने 10 जीत के साथ दिल जीता लेकिन खिताब नहीं जीत पाए। मैंने राजकोट में कहा था कि हम जून 2024 में दिल भी जीतेंगे और कप भी और अपना राष्ट्रीय ध्वज लहराएंगे, हमारा कप्तान भारतीय ध्वज लहराएगा। रोहित, कोहली और जडेजा के अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में वापसी करने की उम्मीद है।

भारत चैंपियन्स ट्रॉफी से पहले छह एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगा जिसमें से तीन श्रीलंका के खिलाफ उसकी सरजमीं खेले जाएंगे जबकि फरवरी की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला घरेलू सरजमीं पर खेली जाएगी।

एंडरसन गेंदबाजी कला के दीवाने हैं : स्टुअर्ट ब्रॉड

लंदन/भाषा। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने लंबे समय तक अपने साथी रहे जेम्स एंडरसन की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें गेंदबाजी कला का दीवाना करार दिया। एंडरसन इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच 10 जुलाई से लॉर्ड्स में होने वाले पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। उन्होंने अब तक 187 टेस्ट मैच में 700 विकेट लिए हैं। ब्रॉड ने द टाइम्स में अपने कॉलम में लिखा, उसे गेंदबाजी करने की लय, अपने एक्शन की तकनीक पर नियंत्रण रखना पसंद है फिर चाहे वह स्विंग, इनस्विंग, सीम किसी तरह की गेंदबाजी कर रहा हो। उन्होंने कहा,जब आप लंबे समय तक खेलने वाले पेशेवर खिलाड़ियों की बात करते हैं तो उनकी अनुशासित दिनचर्या और समर्पण की बात करते हैं। निश्चित तौर पर अगर आप इस तरह का जीवन नहीं जीते हैं तो 42 साल तक नहीं खेल सकते हैं। ब्रॉड ने कहा,लेकिन एक चीज जो एंडरसन को सबसे अलग बनाती है वह है गेंदबाजी कला के प्रति उनका सच्चा प्यार। किसी चीज के प्रति दीवानापन नकारात्मक रूप से उपयोग किया जाता है लेकिन मैं यह कहूंगा कि वह गेंदबाजी कला का दीवाना है।

भारतीय कोच के रूप में देश में रग्बी को लेकर जागरूकता पैदा करना चाहते हैं सेरेवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। फिजी के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी और अब भारत के कोच वेसाले सेरेवी ने देश में रग्बी को लेकर जागरूकता पैदा करने को अपना पहला लक्ष्य बनाया है। 'हॉल ऑफ फेम' में शामिल 56 साल के सेरेवी को भारत की पुरुष और महिला सेवेन्स रग्बी टीम का मुख्य कोच बनाया गया है। सेरेवी ने पीटीआई से विशेष बातचीत के दौरान कहा, मैं सामान्यत: दुनिया के इस हिस्से में, एशिया में, रग्बी पर ध्यान नहीं देता। लेकिन मैंने दुनिया के इस हिस्से में टीमों को रग्बी खेलते हुए देखा है। उन्होंने कहा, हां, भारत में रग्बी के बारे में शायद पांच प्रतिशत आबादी जानती है - यही वह चीज है जिस पर हम इस समय काम करने की कोशिश कर रहे हैं। हम रग्बी के बारे में जागरूकता लाने की कोशिश कर रहे हैं।

सेरेवी ने कहा, ''आप नंबर दो, तीन, चार, पांच को भूलकर नंबर 12 पर नहीं जा सकते। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात रग्बी के बारे में जागरूकता फैलाना है। परिणाम तो वैसे भी आएंगे। हर बड़ी चीज एक छोटी चीज से शुरू होती है।'' यहां आने से पहले उन्हें भारत का कोई अनुभव नहीं था लेकिन सेरेवी ने राष्ट्रीय टीमों में पहले से मौजूद प्रतिभाओं को पहचानने में तेजी दिखाई लेकिन साथ ही उन्होंने उन प्रतिभाओं को भी पहचानने पर जोर दिया जिनके बारे में कोई नहीं जानता। सेरेवी ने कहा, पुरुष और महिला दोनों टीमों के संदर्भ में। कोच ने बहुत अच्छा काम किया है। मैंने कुछ अच्छी टीमें देखी हैं। मैंने फारवर्ड देखे हैं। मैंने बैक, हाफबैक देखे हैं। रग्बी के मैदान पर सभी पोजीशन में, वे यहां मौजूद हैं। उन्होंने कहा, ''मैं उन्हें शिविर में लाने और फिर उन्हें खेल को समझने में मदद करने, उन्हें यह बताने में मदद करने के लिए उत्साहित हूं कि मैं उन्हें अन्य प्रतियोगिताओं में किस तरह की रग्बी खेलते हुए देखना चाहता हूं।'' विश्व सीरीज 2005-06 के फाइनल में पहुंचने वाली फिजी टीम के खिलाड़ी-कोच रहे सेरेवी ने कहा कि रूस, अमेरिका और जमैका में टीमों का हिस्सा होने के बाद उनके भारतीय कोच का पद संभालने से बहुत से लोग आश्चर्यचकित हो सकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | सोमवार | 08-07-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीवन अनिश्चितताओं से भरा लंबा यात्रा-पथ है। यहां किसी के जीवन में कुछ भी घटित हो सकता है। हमारे मन का सोचा हुआ सब सार्थक होगा, यह मानकर चलना बहुत बड़ी भूल है। इसीलिए अच्छे अवसरों का लाभ उठाने का भरपूर प्रयत्न करना चाहिये। जीवन की सफलता का यही मूलमंत्र है। अक्सर देखा जाता है कि लक्ष्मीदेवी तिलक करने द्वार पर आयी और मनुष्य मुंह धोने के लिए चला गया। जब वह वापस लौटा, तब तक लक्ष्मी विदा हो चुकी थी। नीति और धर्मशास्त्रों ने इसे निपट मूर्खता कहा है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के डॉन वॉस्को मैट्रिकुलेशन हायर सेकेन्डरी स्कूल एगमोर में तमिलनाडु ट्रैफिक वार्डन्स आर्गेनाइजेशन द्वारा आरएसपी टीचर्स ट्रेनिंग कार्यक्रम में 350 से अधिक विद्यालयों के संयोजकों ने भाग लिया। इस मौके पर जेटीसी जैन मिशन हायर सेकेन्डरी स्कूल के वरिष्ठ अध्यापक डॉ. सुन्दर श्याम दुबे का उनकी विशिष्ट कार्यों के लिए चेन्नई उत्तर से अतिरिक्त पुलिस आयुक्त यातायात आर सुधाकर ने सम्मानित किया।

रत्न स्वर्ण वर्ष के अंतर्गत व्याख्यान माला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट के स्वाध्याय भवन में श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, तमिलनाडु के तत्वावधान में रविवार को रत्न स्वर्ण वर्ष के अंतर्गत व्याख्यान माला में वरिष्ठ स्वाध्यायी आर वीरेन्द्र कांकरिया ने लक्ष्य को पहचान विषय पर प्रभावी विचारों से सभा को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उन्होंने लक्ष्य को पहचान हेतु जीवन में चार मुख्य आधार रुप बिन्दु में जिनवाणी श्रवण, स्तव स्तुति, सुपात्र दान व वैयावृत्य पर विस्तृत प्रकाश किया। महापुरुषों के प्रवचन एकाग्रता पूर्वक, अहोभाव से श्रवण कर आचरण मे लाते हुए बार-बार चिन्तन करने का महत्व बताते हुए कहा कि एक शब्द, वाक्य भी जीवन को बदलते हुए ब्रह्मास्त्र रुप भी बन सकता हैं। स्तव स्तुति के अन्तर्गत तीर्थंकरों की स्तुति भक्ति लोगस्स, णमोत्थुणँ, पुछिसुंणँ आदि बताए हैं। सुपात्र दान के अंतर्गत दान लेने व देने वाले के भाव व वस्तु निर्दोष तीनो का होना आवश्यक हैं। वैयावृत्य के अन्तर्गत सेवा निस्वार्थ भाव से,बिना नाम की चाह करना ही वास्तविक सेवा हैं। श्रावक कौन, श्रावक के कर्तव्य आदि विषयों पर सुन्दर विवेचना की।

श्रावक संघ तमिलनाडु के कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने इस अवसर पर युवक परिषद तमिलनाडु द्वारा मासिक सामूहिक सामायिक का आयोजन करने हेतु साधुवाद ज्ञापित किया और बताया कि चेन्नई महानगर के अनेक क्षेत्रों से श्रावक-श्राविकाओं एवं युवकों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का संचालन युवक परिषद तमिलनाडु के शाखा प्रमुख संदीप ओस्तवाल ने किया। उपवास, एकासन आदि तपस्याओं के प्रत्याख्यान के पश्चात गौतमचंद मुणोत ने जैन संकल्प कराया, वरिष्ठ स्वाध्यायी नेमीचंद कर्णावट, भोपालगढ ने मांगलिक सुनाई।

साध्वी डॉ. गवेषणाश्री का मंगलप्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्य श्री महाश्रमणजी की शिष्या डॉ गवेषणाश्री का रविवार कोपुष्य नक्षत्र की मंगलमय वेला में तेरापंथ सभा भवन, माधावरम् में चातुर्मासिक प्रवेश हुआ। साध्वी डॉ गवेषणाश्री ने कहा कि भारत देश उगते सूरज का देश है। यहां भौतिकता के साथ आध्यात्मिकता का भी सूरज सदैव उदयमान रहता है। विश्व में चार तरह के व्यक्तियों- सत्तावान, ज्ञानवान, अर्थवान और साधुओं का सम्मान होता रहता है। बाकी तीन का तो अवसरवादिता के आधार पर सम्मान होता है, लेकिन साधु संतों का तो सर्वत्र विश्व में सदैव सम्मान होता हैं। क्योंकि वे सम्यक्त्व की साधना से आत्मकेंद्रित होते हैं। साधु नोट या वोट नहीं अपितु व्यक्तियों की खोट को निकाल उनका उद्धार करते हैं। विशेष पाथेय प्रदान करते हुए साध्वीश्री ने कहा कि हमें अपने जीवन में तीन तरह की फैक्ट्री को लगाना चाहिए- शुगर फैक्ट्री अर्थात जबान से कटू नहीं बोलना चाहिए। माइंड में आइस फैक्ट्री लगाना, शांत सहवास से जीवन जीना चाहिए और तीसरी दिल में प्रेम की फैक्ट्री लगाने से, समझाने, समझोते, सौहार्द भाव से रहना चाहिए।

मुख्य व्यक्ता अधिवक्ता पी एस सुराणा ने कहा कि दुर्लभ मनुष्य जन्म का सबसे अच्छा उपयोग संयम ग्रहण कर शुद्ध साधुपन पालन से करना चाहिए। संयम नहीं तो श्रमणों की उपासना कर, सेवा सुषुम्ना कर, वन्दन प्रवचन श्रवण कर भी उन्नत कर्मों की निर्जरा कर सकते हैं। जैन संस्कृति, भारतीय संस्कृति, शाकाहारी संस्कृति के हो रहे ह्रास, पतन को साधु संत ही रोक सकते हैं। मुख्य अतिथि अभातेयुप राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने कहा कि चेन्नई का संघ समर्पित समाज है, शक्ति भक्ति से ओत:प्रोत हैं। इस मौके पर जैन श्वेताम्बर तेरापंथ माधावरम् ट्रस्ट के प्रबंधन्यासी घीसूलाल बोहरा ने स्वागत स्वर प्रस्तुत किया। मंच का संचालन सुरेश रांका और आभार ज्ञापन माधावरम् ट्रस्ट मंत्री पुखराज चोरड़िया ने किया।

सुपर संडे अंतर्गत हुआ समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। वर्धमान जैन सेवा संघ द्वारा विभिन्न संतों के चातुर्मास प्रवेश के मौके पर 121वर्ष पुराने राजकीय प्राथमिक विद्यालय चेट्टीपालयम के भोजनशाला व विद्यालय के जरूरत को देखते हुए बर्तनों की पूरी खेप प्रदान की गई व साथ ही विद्यार्थियों के लिए पठन पाठन सामग्री व मिठाइयां वितरित की गई। संघ के संस्थापक राजेश कुमार गादिया, अध्यक्ष नेमीचन्द लोढा, संरक्षक ज्ञानचन्द खारीवाल, उपाध्यक्ष गौतम धारीवाल के संयोजन में कार्यक्रम का संचालन संघ के महासचिव विक्रम छाजेड ने किया। मुकेश बोहरा व गुमनमल संक्लेचा ने वितरण कार्य सम्हाला।

तीन महान विभूतियों का संगम की नगरी बनी केएलपी परिसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां केएलपी अभिनदन आवासीय परिसर में रविवार को साध्वी कंचन कंवरजी म. सा., साध्वीश्री राजमतीजी एवं साध्वीश्री प्रतिभाजी म. सा. एव अन्य साध्वियों के संक्षिप्त प्रवास के दौरान पूरा परिसर धर्ममय हो गया। अपने ओजस्वी उद्बोधन में साध्वीश्री ने मुमुक्षु दीपिका के निकट भविष्य में सम्भावित दीक्षा के लिए साध्वी वृंद की ओर से आशीर्वचन और मंगलकामना देते हुए कहा कि साधक जीवन कोई भाग्यशाली आत्मा ही ग्रहण कर सकती हैं। इससे पूर्व परिसर में मुमुक्षु दीपिका के स्वागत में भव्य वर घोड़ा निकाला गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे। मुमुक्षु दीपिका के साधना पथ पर अग्रसर होने की साध्वीवृंदों ने शुभकामनाएं की।

उल्लेखनीय है कि केएलपी अभिनदन परिसर जैन संघ चेयरमेन और साहूकार पेट संघ के अध्यक्ष प्रकाशचन्द खिवसरा के नेतृत्व में साध्वी राजमतीजी एवं महासती जी विनय श्रीजी म. सा. का चातुर्मास साहुकारपेट में 11 जुलाई को प्रस्तावित है। इस अवसर पर कमला मेहता ने वहां उपस्थित सभी लोगों को चातुर्मास प्रवेश और चातुर्मास में साध्वी जी के दर्शन और सेवा का लाभ उठाने का निवेदन किया। कार्यक्रम का संचालन सुमेरचन्द बाघमार ने किया।

श्रुतज्ञान श्रावक के संकल्प, आचरण को आनंदपूर्वक अखंडित बनाता है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानकवासी जैन संघ माम्बलम में विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने रविवार को धर्मसभा में प्रवचन देते हुए कहा कि शास्त्र सुनने से जो लाभ होता है, वह मार्ग से हमें जीवन में शिव तत्व की प्राप्ति होती है। हम जिनवाणी श्रवण, स्वाध्याय करते हैं, उससे अनेक लाभ हैं। आप यदि स्वाध्याय करते हो, आगम पढ़ रहे हो, तो वह श्रुतज्ञान है। श्रुतज्ञान श्रावक के संकल्प, आचरण को आनंदपूर्वक अखंडित बनाता है। यह पाप, आश्रव, बंध को टालता है। आश्रव यानी आना और बंध यानी अशुभ कर्म बंध जाना। शुभ-अशुभ, पाप-पुण्य हमारे अंदर रहे हुए परिणाम होते हैं। पाप, अशुभ कर्म के बाद में जो आश्रव व बंध आते हैं, उनको टालो। उनको संवर व निर्जरा में बदलना है।

उन्होंने कहा, हमारे जीवन में हिंसक साधन चाहिए ही नहीं। परमात्मा सामान्य रूप से कहते हैं कम से कम एक रक्षा कवच बना लें। जो संवर करके फिर निर्जरा करता है तो वह संवर श्रेष्ठ है। वह हमारी आत्मा को निर्मल बनाता है। हमारे कर्मों को साफ कर देता है। उन्होंने कहा, केवलज्ञानी पूर्ण संवर के

पश्चात् शैलेशी अवस्था यानी मन-वचन- काया को स्थिर अवस्था में ले जाते हैं। हम सभी सम्यक पुरुषार्थ करेंगे तो जिनवाणी श्रवण पूर्ण रूप से सार्थक सिद्ध होगी।

युवाचार्यश्री महेंद्र ऋषिजी महाराज के सान्निध्य में रविवार को प्रथम आत्म ध्यान शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में 50 साधकों ने हिस्सा लिया। शिविर की समाप्ति पर युवाचार्यश्री के समक्ष साधकों ने आनंद का अनुभव किया। शिविर में भगवान महावीर की साधना पद्धति के आधार पर साधकों को ध्यान साधना का अभ्यास कराया गया। आगामी चातुर्मास में एएमकेएम में ध्यान साधना शिविर के आयोजन लगातार होते रहेंगे।

प्रवचन के दौरान संघ के अध्यक्ष डॉ. उत्तमचंद गोठी ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि महाकवि तुलसीदास ने संत समागम और हरिकथा (प्रवचन) को अत्यंत दुर्लभ बताया है। संतों के समागम की भावना भाने मात्र से केवल ज्ञान हो सकता है। उन्होंने कहा, युवाचार्य भगवंत का माम्बलम संघ में आगमन संघ के सौभाग्य व पुण्यवानी की बात है। उन्होंने वरिष्ठ श्रावक ज्ञानचंद नाहर की ग्यारह व्रत धारण करने की साधना की अनुमोदना की। उन्होंने बताया कि माम्बलम क्षेत्र में बड़ी संख्या में व्रतधारी श्रावक है। इस दौरान वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के चेयरमैन अभय श्रीश्रीमाल ने भी अहिंसा व्रत के पालन का नियम लिया। संघ की ओर से दोनों श्रावकों का सम्मान किया गया।

महासंघ के मंत्री धर्मीचंद सिंघवी ने अपने वक्तव्य में कहा कि बहुत वर्षों के प्रयास के बाद युवाचार्यश्री जी का चातुर्मास मिला है। महासंघ ने चेन्नई के सभी उपनगरीय संघों को जोड़ने का प्रयास किया है। आप सबको चातुर्मास में तन- मन- धन से लाभ लेना है। महिला और युवा वर्ग के लिए भी महासंघ का गठन हुआ है। सभी महासंघ से जुड़ें। उन्होंने बताया कि चातुर्मास में नया कार्यक्रम 'संत समागम यात्रा दिवस' आयोजित किया जाएगा, जिसमें एक बाजार के संघ को एक पूरे दिन सेवा देने का मौका मिलेगा। उसी ध्येय के साथ आपको आगे बढ़ना है।

शिक्षा सबके लिए अभियान के तहत 150 स्कूली दिव्यांग बच्चों को बांटी पाठ्य सामग्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा द्वारा शनिवार को कोलार जिले के विभिन्न गांवों के स्कूलों के 150 से अधिक दिव्यांग बच्चों को स्कूल बैग, नोटबुक, कलम, पेंसिल, स्केच पेन इत्यादि वितरित किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत श्री सुरेंद्र गोयल, सुशीला गोयल, हाथीमल बैद, महेश गोयल, द्वारकाप्रसाद सारडा, विक्रम अग्रवाल, डॉक्टर विजय अग्रवाल, डॉक्टर सुरुचि अग्रवाल ने कार रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस मौके पर मायुम कर्नाटक प्रांत के अध्यक्ष नितेश टिबरेवाल, महामंत्री मोहित शर्मा एवं बेंगलूरु शाखा के सचिव शुभम लोहिया भी उपस्थित रहे। कोलार पहुंचकर सभी उपस्थित जनों व शाखा के पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी व पदाधिकारियों ने बच्चों को स्कूल बैग किट दिया और शिक्षा के प्रति जागरुक किया। मनीष अग्रवाल ने सभी का धन्यवाद किया।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, संयुक्त कोषाध्यक्ष विनोद चौहान, गौरव शर्मा व संयम ललवानी ने हुब्बल्ली में दक्षिण पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य महेन्द्र सिंघी से मुलाकात कर उन्हें 16 से 18 जुलाई तक आयोजित तीन दिवसीय ट्रेड फेयर में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वर ने नगर सीमा में किया प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजीआदि साधु-साध्वी वृंद का शहरी सीमा पार्श्व लब्धि धाम में रविवार सुबह प्रवेश हुआ। इस अवसर पर शहर के श्री सिमंधर शान्तिसूरी संघ के तथा अन्य कई संघों के सदस्य आचार्यश्री की

अगुवाई के लिए उपस्थित हुए और अनेक प्रकार की मांगलिक वस्तुओं द्वारा शगुन दर्शाकर उनका शहरी सीमा के अंदर स्वागत किया। प्रवेश के पश्चात आचार्य श्री पार्श्व लब्धि धाम पहुंचे जहां दर्शन, चैत्यवंदन कर प्रासंगिक प्रवचन में उन्होंने जीवन में चारित्र धर्म कि सच्ची प्रीत पर प्रकाश डाला। मंगलवार को वे कॉक्स टाउन स्थित जैन मंदिर के ध्वजारोहण कार्यक्रम में निश्रा प्रदान करेंगे।

हम मैसूरु को आध्यात्मिक रुप से जगाने आए हैं : आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। रविवार को मैसूरु में आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी ने अपने शिष्य-प्रशिष्यों के साथ वर्षावास के लिए मंगल प्रवेश किया। हजारों की संख्या में देश-विदेश के भक्तगण जैनाचार्य के स्वागत और प्रवेश समारोह में उमड़े। 300 से अधिक स्वयंसेवक, स्वयंसेविकाओं और कर्मचारियों ने चातुर्मास की तैयारियों में एक माह तक अथक परिश्रम किया। राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, मध्यप्रदेश, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और विदेश से करीब 1500 से अधिक श्रद्धालु भक्तगण मैसूर प्रवेश कार्यक्रम में शामिल हुए।

नजरबाद स्थित शिक्षकर सदन के मैदान में वर्षावास के विविध कार्यक्रमों के लिए भव्य पंडाल का उदघाटन जवेरीलाल लुंकड़ परिवार ने दीप प्रज्वलन करते हुए श्रीफल अर्पित कर किया। कोरियोग्राफर अरुण चौधरी के निर्देशन में 35 सदस्यों की टीनएजर्स टीम ने सांस्कृतिक नृत्यों की प्रस्तुति दी।

इस मौके पर अतिथि के रुप में उपस्थित भारतीय वायु सेना के कमांडर ललितकुमार जैन तथा डिप्टी पुलिस कमिश्नर मुत्तुराज शामिल हुए। दोनों अतिथिद्वय ने समाजोपयोगी विचार व्यक्त करते हुए आचार्यश्री आशीर्वाद ग्रहण किया। कल्याण मित्र वर्षावास समिति की ओर से पदाधिकारियों ने लाभार्थी परिवार और अतिथियों का सम्मान किया। वर्षावास प्रवेश समारोह के उपलक्ष्य में मुम्बई के

आचार्यश्री के वर्षावास प्रवेश में देश भर से उमड़े भक्तगण

भंवरलाल पालरेचा परिवार ने सभी साधुओं को कंबल अर्पित की। राजेश भंसाली-फ़्यूचरा ग्रुप ने सभी श्रमणों का गुरु पूजन किया। भिवंडी के हेनी शाह ने भक्ति संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। चेन्नई के मनोज राठौड़ ने कार्यक्रम का संचालन किया। अशोक दांतेवाड़िया ने स्वागत भाषण दिया। कांतिलाल चौहान ने कार्यक्रम की संयोजना प्रस्तुत की। लाभार्थियों ने दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि हम मैसूर को जगाने आये हैं। धर्म के अनुसार जीवन जीकर हम अपने मनुष्य जन्म को सफल बना सकते हैं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.